

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सत्वी खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -10

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 06 नवंबर से 12 नवंबर 2025 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

राज्योत्सव में प्रधानमंत्री मोदी ने की राज्य में ग्रामीण सड़क निर्माण की सराहना

छत्तीसगढ़ में गांव-गांव बिछा सड़कों का जाल

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में पिछले 25 सालों में गांव-गांव में बिछे सड़कों के नेटवर्क ने राज्य के ग्रामीण इलाकों की काया पलट दी है। अब राज्य के गांवों में नई सड़कों से आ रहे बदलाव को महसूस किया जा सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश के ग्रामीण इलाकों में बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 2000 में शुरूआत की। यह योजना देश के साथ ही राज्य के ग्रामीण इलाकों में परिवर्तनकारी सिद्ध हुई।

छत्तीसगढ़ में इस योजना के जरिए लगभग 40 हजार किलोमीटर सड़कें बनायी जा चुकी है। राज्य निर्माण के पहले यहां सड़कों का औसत देश के पूर्वोत्तर राज्यों से भी नीचे था। उस समय यहां ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 4200 किलोमीटर सड़कें थी। इस स्थिति में यहां के लोगों के जीवन स्तर का अनुमान सहज रूप से लागाया जा सकता था। देश में जब यह योजना शुरू हुई तब ग्रामीण समृद्धि का नया दौर शुरू हुआ। सड़कें केवल आवागमन का जरिया नहीं बल्कि यह सामाजिक आर्थिक परिवर्तन का माध्यम भी है।

वर्तमान में ग्रामीण सड़कों के मजबूत



नेटवर्क ने सुशासन और आंत्योदय के सपने को पूरा करने का मजबूत आधार दिया है। आज छत्तीसगढ़ के किसान अपने खलिहानों से धान की फसल खरीदी केन्द्रों तक आसानी से पहुंचा पार रहे है। ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक

वितरण प्रणाली के माध्यम से आसानी से राशन पहुंच रहा है। आंगनवाडियों के पोषण आहार में गड़बड़ी जैसे मामले अब देखने को नहीं मिल रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में भी सड़कें मददगार सिद्ध हो रही है।

सड़कों के लोगों में गतिशीलता बढ़ी है। लोग रोजगार और स्वरोजगार के नए नए माध्यमों को अपना रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में लोग पुराने दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि गांव की सड़कें बहुत दुरूह होती थी। कई बार

नदी नालों को पार कर एक गांव से दूसरे गांव तक जाना पड़ता था। इस योजना ने उन्हें नई ताकत दी है। अब सड़कें डामरीकृत होने के साथ ही पुल पुलिए बनने से आवागमन सहज हुआ है। छत्तीसगढ़ के शुरूआती 16 वर्षों में तेजी से ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ। लगभग 32 हजार किलोमीटर पक्की सड़कें और पुल -पुलिया बनायी गई। इन सड़कों के माध्यम से साढ़े 10 हजार से अधिक बसाहटों को जोड़ा गया। अब तक योजना में 40,415 किमी लंबी 8,310 सड़कों एवं 426 वृहद पुलों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इस योजना में दूसरे और तीसरे चरण में 10 वर्ष पुरानी सड़कों का मजबूतीकरण और उन्नयन का कार्य किया गया। इस चरण में कुल 5,583 किमी लंबाई की 534 सड़कों एवं 82 वृहद पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण जा चुका है। स्वीकृत सभी परियोजनाएं शत-प्रतिशत पूर्ण की जा चुकी हैं।

राज्य के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में नक्सली उन्मूलन की दिशा में इस योजना ने सार्थकता सिद्ध की है। इन क्षेत्रों में 12,459 किमी लंबाई की बनाई गई हैं। जिससे 3,853 बसाहटें भी मुख्यधारा से जुड़ी। जिससे इन क्षेत्रों में आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और

सुरक्षा व्यवस्था को नया आयाम मिला है। राज्योत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सराहना करते हुए कहा कि मैं राज्य निर्माण के पहले भी छत्तीसगढ़ आया करता था। उस समय गांवों तक पहुंच पाना बहुत मुश्किल होता था। कई गांवों में सड़क थे ही नहीं, 25 वर्षों में राज्य ने बहुत तरक्की की है। आज राज्य में 40 हजार किलोमीटर से अधिक लंबे सड़कों का जाल गांव गांव तक फैल गया है।

उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सड़कों से जुड़ते गांव और सशक्त होते ग्रामीण मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में छत्तीसगढ़ के सतत प्रयासों का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने बताया कि चौथे चरण में जनजातीय क्षेत्रों और विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल गांवों में 8 हजार से अधिक किलोमीटर सड़कें बनाए जाने की योजना है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना और आकांक्षी जिलों की बसाहटों में सड़कें प्राथमिकता से बनायी जाएंगी।

25 वर्षों की यह यात्रा गर्व और नए संकल्प का अवसर है-राज्यपाल डेका

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव के दूसरे दिन राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। यह रजत जयंती वर्ष बीते हुए सफ़र को याद करने और भविष्य के लिए नए संकल्प लेना का अवसर है।

राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ का गठन हुआ था, तब यह उम्मीदों और चुनौतियों से भरा राज्य था। पिछले पच्चीस वर्षों में राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, बिजली, सड़कों और संस्कृति सहित हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एक युवा राज्य है, जिसने कम समय में अपनी प्रतिभा और क्षमताओं से देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान



बनाई है।

श्री डेका ने ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी, तथा राज्य निर्माण का स्वप्न देखने और उसे साकार करने के लिए संघर्ष करने वाले सभी महापुरुषों को नमन किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को बधाई देते हुए कहा कि

राज्य शासन द्वारा जनकल्याण की दिशा में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि, जनजातीय समाज, महिलाएं और युवा वर्ग सशक्त हो रहे हैं।

राज्यपाल श्री ने कहा कि बीते वर्षों में छत्तीसगढ़ ने विकास की एक ठोस नींव रखी है। यहां की सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक संपदा और मेहनती जनता इस

राज्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने कहा कि विकास के साथ प्रकृति का संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

नक्सल समस्या पर राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से छत्तीसगढ़ अब नक्सलमुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिन इलाकों में कभी डर और हिंसा थी,

वहां आज सड़कों का निर्माण हो रहा है, स्कूल खुल रहे हैं और बच्चों के चेहरे में मुस्कुराहट है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे किसान, मजदूर, युवा और महिलाएं इस राज्य को असली ताकत हैं। उनकी मेहनत और संकल्प ही छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि रजत जयंती वर्ष में हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ सुशासन, विकास और भाईचारे का आदर्श राज्य बने। हम सब मिलकर अपने संसाधनों का संतुलित और बेहतर उपयोग करते हुए छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करेंगे।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्योत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्वागत उद्बोधन संस्कृति एवं

पर्यटन विभाग के सचिव डॉक्टर रोहित यादव ने दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा को रेखांकित करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों को राज्योत्सव में आकर विकास प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद उठाने का आग्रह किया। आभार प्रदर्शन संचालक श्री विवेक आचार्य ने किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने समारोह में प्रस्तुति देने वाले गायक श्री आदित्य नारायण, पद्मश्री डोमार सिंह सहित अन्य कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में राज्य की प्रथम पद्मश्री श्रीमती रानी डेका काकोटी, साहित्य अकादमी संस्कृति परिषद के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा, प्तिम विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन सहित दर्शक गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने स्वयं बाइक चलाकर युवाओं को दिया सुरक्षित ड्राइविंग का संदेश



नवाचार भावना और युवा सामर्थ्य का प्रतीक होगा। छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एमआरएफनेशनल सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैम्पियनशिप 2025 का यह भव्य आयोजन न केवल रोमांचक मोटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देगा, बल्कि युवाओं को सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट पहनने और सड़क पर रेंसिंग से बचने जैसे सामाजिक संदेश देने का भी माध्यम बनेगा। कार्यक्रम से पूर्व आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्वयं बाइक चलाकर युवाओं को सफ़ड्राइविंग का संदेश दिया। उन्होंने आगामी 8-9 नवंबर को आयोजित नेशनल सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा, युवाओं में अपार ऊर्जा है, और उस ऊर्जा को सही दिशा देना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

इसरो ने लॉन्च किया ‘बाहुबली’ एलवीएम3-एम 5 रॉकेट्र



अब सबसे उन्नत संचार उपग्रह से लैस होगी भारतीय नौसेना

नई दिल्ली। इसरो ने श्रीहरिकोटा रॉकेट एलवीएम3-एम5 के जरिए सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह उपग्रह खास तौर पर भारतीय नौसेना के लिए बनाया गया है। बता दें कि लगभग 4000 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह अब तक का भारत का सबसे भारी संचार उपग्रह है। इसके जरिए भारतीय नौसेना में बेहतर संचार सुविधा और समुद्री क्षेत्र की निगरानी में बड़ी मदद मिलेगी। इस उपग्रह में कई देश में विकसित अत्याधुनिक तकनीकी उपकरण लगाए गए हैं, जो

भारतीय नौसेना की संचालन क्षमता को और मजबूत बनाएंगे। इसरो ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में एलवीएम3-एम5/सीएमएस-03 मिशन का अपडेट दिया है। इसरो के अनुसार, सीएमएस-03 रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग हुआ है, इसरो ने इसे परफेक्ट इंजेक्शन बताया है।

इसरो के एलवीएम-एम5 द्वारा सीएमएस-03 संचार उपग्रह के प्रक्षेपण पर, इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा, ‘सीएम-03 उपग्रह एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है, जिसकी कवरेज भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में है, और इसे कम से कम 15 वर्षों तक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस उपग्रह में कई नई तकनीकों का समावेश

है और यह आत्मनिर्भर भारत का एक और ज्वलंत उदाहरण है। मैं देश की संचार क्षमता के लिए इस महत्वपूर्ण, जटिल उपग्रह को साकार करने के लिए कई इसरो केंद्रों में कार्यरत पूरी उपग्रह टीम को बधाई देता हूँ। प्रक्षेपण अभियान के दौरान हमें कठिन और चुनौतीपूर्ण समय का सामना करना पड़ा। मौसम उतना अनुकूल नहीं था। लेकिन फिर भी, मैं इस अवसर पर आप सभी की सराहना करता हूँ कि इस कठिन मौसम की स्थिति में भी, हम सफलतापूर्वक इस मिशन को भव्य और सफल तरीके से पूरा कर पाए।’

सीएमएस-03 उपग्रह तेज और उच्च क्षमता वाली बैंडविड्थ से उन्नत प्लेटफॉर्म कनेक्टिविटी बढ़ाएगा और दूरदराज के क्षेत्रों तक डिजिटल पहुंच में सुधार करेगा। इससे नागरिक सेवाओं के अलावा नौसेना के जहाजों, विमानों और पनडुब्बियों के बीच सुरक्षित संचार संपर्क स्थापित होगा जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा और मजबूत होगी। नौसेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह उपग्रह नौसेना की अंतरिक्ष-आधारित संचार और समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमताओं को मजबूत करेगा।

आतंकवाद कश्मीर को आगे बढ़ने से रोक नहीं सकता, मैराथन में शामिल धावकों ने दिया कड़ा संदेश

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर शहर से रविवार को कश्मीर मैराथन के दूसरे संस्करण को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से आए एथलीट इस दौड़ में शामिल हुए। यह दौड़ सुबह 6 बजे शहर के रेजिडेंसी रोड इलाके में पोली व्यू से शुरू हुई। कश्मीर मैराथन का आयोजन कश्मीर पर्यटन विभाग और जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के सहयोग से हुआ। इस दौड़ में जर्मनी, डेनमार्क, अमेरिका, इथियोपिया, केन्या, जापान और श्रीलंका सहित 27 राज्यों और 11 देशों के 1,500 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शीर्ष प्रशंसक, पुलिस अधिकारी और कई बॉलीवुड हस्ती ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए। जब धावकों ने डल झील के चारों ओर बुलेवार्ड रोड पर दौड़ शुरू की तो स्थानीय लोगों ने उनका उत्साह बढ़ाया।

पर्यटन विभाग इसे पहलगाम घटना के बाद घाटी में सबसे बड़े आयोजन के रूप में चिह्नित कर रहा है। मैराथन का संदेश है कि आतंकवाद कश्मीर के आगे बढ़ने के संकल्प को नहीं तोड़ सकता। यह मैराथन दुनिया को शांति और सकारात्मकता का एक सशक्त संदेश देती है।

गौरतलब है कि मैराथन में 42 किलोमीटर (फुल मैराथन) और 21 किलोमीटर (हाफ मैराथन) की श्रेणियां शामिल थीं, जिनमें विजेताओं के लिए कुल 25 लाख रुपए का पुरस्कार था।

डल झील और जबरवान पर्वत श्रृंखला के चारों ओर घूमने वाला यह मार्ग देश के सबसे खूबसूरत ट्रैक में से एक है। विदेशी एथलीटों ने इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत मैराथन मार्गों में से एक बताया है।

पर्यटन विभाग ने कहा कि ऐतिहासिक और विश्व प्रसिद्ध कश्मीर घाटी के केंद्र में आपका स्वागत है! कश्मीर मैराथन ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुंदरता का एक असंभारण मिश्रण प्रस्तुत करता है, जो इसे एक अनूठा और अविस्मरणीय आयोजन बनाता है।

प्रतिभागी राजसी डल झील और हरे-भरे जबरवान पर्वत श्रृंखला सहित लुभावने दृश्यों के बीच दौड़े और शंकराचार्य मंदिर, परी महल और दरगाह जैसे प्रतिष्ठित स्थलों से गुजरे। पर्यटन विभाग ने कहा, इस मार्ग में प्रसिद्ध मुगल गार्डन भी शामिल है, जो चिनार के पेड़ों के बदलते रंगों और बारीकी से डिजाइन की गए परिदृश्यों की एक अद्भुत पृष्ठभूमि प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ देखेगा भारतीय वायुसेना का शौर्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर राजधानी नवा रायपुर का आसमान 5 नवम्बर को भारतीय वायुसेना के पराक्रम और गौरव का साक्षी बनेगा। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम (स्लह५डुघद्रहडुडु ,द्रह५डुडुहडुडु ड्रदुडु ड्डु स्खड्ड) इस दिन अपने अद्भुत हवाई करतबों से नवा रायपुर के आकाश को देशभक्ति, रोमांच और गर्व के रंगों से भर देगी। यह प्रदर्शन रजत जयंती समारोह का प्रमुख आकर्षण होगा।

5 नवम्बर को नवा रायपुर का आसमान गर्व, रोमांच और देशभक्ति के रंगों से सराबोर होगा। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर यह शौर्य की उड़ान हर नागरिक के हृदय में भारतीय वायुसेना के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को और ऊँचा उठाएगी। राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित यह एरोबैटिक शो छत्तीसगढ़ की नई ऊँचाइयों और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेगा। ‘बॉम्ब बस्ट’, ‘हार्ट-इन-द-स्काई’, ‘एरोहेड’ जैसी विश्वप्रसिद्ध फॉर्मेशनस जब आकाश में आकार लेंगी, तब पूरा वातावरण भारतीय शौर्य और तकनीकी निपुणता से गूंज उठेगा। यह आयोजन छत्तीसगढ़ के युवाओं में अनुशासन, टीमवर्क और राष्ट्रीय



गौरव की भावना को और मजबूत करेगा। राज्य शासन और भारतीय वायुसेना के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं।

जनसहभागिता से सजेगा रजत जयंती का उत्सव

रायपुर सहित आसपास के जिलों से हजारों नागरिक, विद्यार्थी और परिवार इस एरोबैटिक शो के साक्षी बनेंगे। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की उड़ान का प्रतीक बनेगा। सूर्यकिरण टीम का यह प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि जब कोशल, समर्पण और तकनीक एक साथ उड़ान भरते हैं, तो आसमान भी झुक जाता है।

1996 में गठित सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम भारतीय वायुसेना की सटीकता और सामूहिक समन्वय की अनूठी मिसाल है। एशिया की यह एकमात्र नौ विमान वाली एरोबैटिक इक्विप्ड टीम है, जिसके विमानों के बीच की दूरी मात्र पाँच मीटर तक होती है। यह भारत की तकनीकी दक्षता, अनुशासन और साहस का अद्भुत उदाहरण है।

टीम ने अपनी यात्रा की शुरुआत 1९९३-16 चद्रहडुडु स्ख-डुडु से की थी और वर्ष 2015 में स्वदेशी तकनीक पर आधारित ५५ 1९2५ स्ख-132 ,स५डुडुदुस्र छुद्रहू ड्रहडुडुडुडुह के साथ नई उड़ान भरी। आज सूर्यकिरण टीम युवाओं के लिए प्रेरणा का पर्याय बन चुकी है।

भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बूथ स्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

कोरिया

भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, ष्कोई भी पात्र मतदाता छूटे ना और कोई भी अपात्र मतदाता जुड़े नाप् इस उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूरा करने हेतु विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जिला पंचायत मंथन सभा कक्ष में बूथ स्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

यह प्रशिक्षण दो चरणों में संपन्न हुआ। पहले चरण में बैकुंठपुर विकासखंड के बूथ स्तरीय अधिकारियों का 11 बजे से 2 बजे तक एवं दूसरे चरण में सोनहत विकासखंड के बूथ स्तरीय अधिकारियों का 2.30 बजे से 4 बजे तक प्रशिक्षण हुआ। इस दौरान बैकुंठपुर विकासखंड के बूथ संख्या 01 से 117 तथा सोनहत विकासखंड के बूथ संख्या 118 से 234 तक के अधिकारियों को जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षित किया गया।



प्रशिक्षण के दौरान पीपीटी के माध्यम से निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु वेबसाइट का अवलोकन भी कराया गया। इसके अतिरिक्त, गहन पुनरीक्षण कार्य में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस गहन पुनरीक्षण में 28 अक्टूबर से 31 जनवरी 2025 तक गणना पत्र का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। अंत में 7 फरवरी को मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार

कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र मतदाता जुड़ने न पाए। जिले में 78: मतदाताओं की मैपिंग हो चुकी है, शेष 22: मतदाताओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने जिले में हेल्प डेस्क बनाने की बात कही, जहां बूथ स्तरीय अधिकारी अपने समस्याओं का समाधान प्राप्त। साथ ही, उन्होंने स्थानीय वॉलेंटियर, एनएसएस, एनसीसी, विहान दीदियों एवं ग्राम पंचायत सचिव की सहायता लेने का सुझाव दिया।

साउथ ईस्टर्न कोलमिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपने खनन क्षेत्रों में कार्यस्थलों पर स्वच्छता, समावेशिता और सतत विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने भारत सरकार के स्पेशल कैम्पेन 5.0 के अंतर्गत कुल 43 बायो टॉयलेट्स स्थापित किए हैं।

इस पहल के तहत सोहागपुर क्षेत्र में 16 और भटागाँव क्षेत्र में 27 बायो टॉयलेट्स का लोकार्पण किया गया। इन आधुनिक शौचालयों की स्थापना से खनन क्षेत्रों में स्वच्छता अवसरचना को सुदृढ़ करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिला है।

बायो टॉयलेट्स अपशिष्ट प्रबंधन की आधुनिक तकनीक पर आधारित हैं, जिनमें अपशिष्ट को सूक्ष्मजीव क्रिया के माध्यम से जल एवं गैस में परिवर्तित किया जाता है। इससे प्रदूषण में कमी आती है और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। एसईसीएल की

एसईसीएल ने स्पेशल कैम्पेन 5.0 के तहत लगाए 43 बायो टॉयलेट

समावेशिता, स्वच्छता और सतत विकास की दिशा में सार्थक पहल

बिलासपुर



यह पहल स्वच्छ भारत अभियान की भावना से प्रेरित है और कार्यस्थलों पर स्वच्छ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण सृजित करने की दिशा में कंपनी के संकल्प को दर्शाती है। विशेष रूप से महिला कर्मियों के लिए यह कदम कार्यस्थल पर गरिमा और सुविधा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगा।

खनन क्षेत्रों में समावेशी और स्वच्छ कार्य परिवेश की दिशा में यह प्रयास एसईसीएल की जिम्मेदार खनन नीति और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

स्पेशल कैम्पेन 5.0 भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग की देशव्यापी पहल है, जो 2 से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत मंत्रालयों और सार्वजनिक उपक्रमों में स्वच्छता, रिकॉर्ड प्रबंधन और लैबित प्रकरणों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसईसीएल इस अभियान के तहत स्वच्छता, डिजिटलीकरण और जनसेवा से जुड़ी अनेक गतिविधियाँ लगातार संचालित कर रहा है।

गुरु नानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व के निमित्त पहले दिन जशपुर रोड में निकली प्रभात फेरी



पथलगांव

गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर पहले दिन पथलगांव जशपुर रोड स्थित गुरुद्वारा साहिब से प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में सात संगत शामिल हुए। रास्तेभर श्रद्धालुओं ने सतनाम श्री वाहेगुरु के जयकारे लगाते हुए गुरु जी के उपदेशों का स्मरण किया। फेरी के दौरान शबद-कीर्तन की गुरु ध्वनि से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। श्री गुरु नानक प्रकाश पर्व (जयंती) 5 तारीख को आ रही है गुरु नानक प्रकाश पर्व हर वर्ष सिख समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है अध्यक्ष हरजीत सिंह भाटिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु नानक जी का प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसके लिए आज 5 दिनों तक

चलने वाली प्रभात फेरी का पहला दिन संगत कीर्तन गुरु द्वारा से जशपुर रोड से गुरुद्वारा तक प्रभात फेरी निकाली गई दूसरे दिन प्रभात फेरी अंबिकापुर रोड एवं तीसरे दिन रायगढ़ रोड में निकाली जाएगी 4 तारीख को नगर कीर्तन (शोभायात्रा) निकाली जाएगी 5 ता को पथलगांव गुरुद्वारा में गुरु नानक जी का प्रकाश पर्व मनाया जाएगा प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में सिख समाज के महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग शामिल हुए प्रभातफेरी संगत के चरण प्रवाह सर्वप्रथम शरणजीत सिंह भाटिया के यहां उसके बाद हरजीत सिंह भाटिया तत्पश्चात मनजीत सिंह भाटिया परिवार के घर में संगत के चरण प्रवाह पड़े अरदास किया गया शबद कीर्तन के साथ संगत गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर अरदास के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

एसईसीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के तहत वॉकथॉन का सफल आयोजन

बिलासपुर

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 अंतर्गत आज दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को एसईसीएल में वॉकथॉन का आयोजन किया गया जिसमें 100 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों ने रैली में हिस्सा लेकर सतर्कता जागरूकता का संदेश दिया।

रैली को सीएमडी हरीश दुहन, निदेशक (तकनीकी/संचालन) एन. प्रैक्लिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) बिरंजी दास, निदेशक (तकनीकी/योजना-परियोजना) रमेश चन्द्र महापात्र एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

एसईसीएल मुख्यालय से शुरू होकर रैली एसईसीएल बसंत विहार स्थित रविन्द्र भवन में समाप्त हुई। पूरे रन के दौरान प्रतिभागियों ने जोशी-खरोश के साथ भाग लेते, हुए



सतर्कता जागरूकता का नारा लगते हुए, भ्रष्टाचार के खिलाफ संदेश दिया।

इस अवसर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर भारत की माननीय राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, माननीय कीयला व खान मंत्री जी

किशन रेड्डी एवं केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त प्रवीण कुमार श्रीवास्तव के संदेश का वाचन किया गया। कार्यक्रम में सीएमडी दुहन ने उपस्थितों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि गलत कार्य करना तो भ्रष्टाचार है ही लेकिन अपने कार्य को सही ढंग से ना करना और

अपने कर्तव्यों का पालन ना करना भी भ्रष्टाचार है। उन्होंने आयोजन के लिए सतर्कता विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन, सतर्कता जागरूकता का संदेश जन-जन तक प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कृषि उपज मंडी परिसर में हरे-भरे सामौन के 3 पेड़ काटे गए – बिना अनुमति की गई अवैध कटाई! जांच की उठी मांग

बिलासपुर

राज्य सरकार हर साल पर्यावरण संरक्षण के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर हरियाली बढ़ाने की मुहिम चलाती है, मगर सरकारी तंत्र के भीतर ही हरियाली की हत्या की जा रही है। बिलासपुर के कृषि उपज मंडी समिति परिसर में तीन सामौन के हरे-भरे वृक्षों को बिना वैध अनुमति के काट दिया गया — वो भी विभागीय मिलीभगत के आरोपों के बीच। सूत्रों के अनुसार, यह घटना जुलाई 2025 में हुई बताई जा रही है। मंडी परिसर के भीतर वर्षों पुराने तीन विशाल सामौन वृक्षों को अवैध रूप से काट दिया गया, जिसकी शिकायत अब वन विभाग तक पहुंच चुकी है।

वन विभाग की प्रतिक्रिया हालांकि अधिकारी ने यह भी स्वीकार किया कि उक्त भूमि राज्यस्व विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है, इसलिए



कार्यवाही राजस्व विभाग के माध्यम से होनी चाहिए थी। राजस्व विभाग का बयान इस संबंध में जब अतिरिक्त तहसीलदार आकाश गुप्ता से बात की गई, तो उन्होंने कहा — यह मामला भेरे सज्ञान में नहीं है, मैं पटवारी को भेजकर जांच करवाता हूँ। मंडी सचिव का बचाव

मंडी सचिव राजेंद्र ध्रुव ने कहा कि — हमने पेड़ों की कटाई के पहले वन विभाग को पत्र लिखा था, उसके बाद ही कटवाया गया। लेकिन वन विभाग ने साफकिया है कि ऐसी किसी अनुमति को मंजूरी नहीं दी गई थी। सवालों के घेरे में मंडी प्रशासन यह मामला कई गंभीर सवाल खड़े करता है — जब वन विभाग ने अनुमति नहीं दी, तो किस आधार पर पेड़ काटे गए? मंडी सचिव और मंडी अध्यक्ष को अनुमति प्रक्रिया की जानकारी क्यों नहीं थी? क्या यह पर्यावरण संरक्षण कानूनों का खुला उल्लंघन नहीं है? जांच जरूरी — जिम्मेदारों पर कार्यवाही की मांग सामौन जैसे इमारती और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों की अवैध कटाई न केवल कानूनी अपराध है बल्कि सरकार की हरियाली बचाव की मुहिम पर सवालिया निशान भी लगाता है। अब देखना यह होगा कि जांच कितनी पारदर्शी और निष्पक्ष होती है, और क्या **जिम्मेदार अधिकारी बच पाते हैं या नहीं।

जनहित के कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर कलेक्टर ने दिए सरल निर्देश, शासन की हर योजना का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे

एमसीबी

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक कलेक्टर डी. राहुल वैकट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में डीएमएफमद से स्वीकृत नए और पुराने कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही पीएम पोर्टल, सीएम पोर्टल और जन शिकायत के लंबित प्रकरणों को एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।



राज्योत्सव की तैयारियों की समीक्षा, भव्य आयोजन की रूपरेखा तय

छत्तीसगढ़ राज्य के गौरवशाली 25वें स्थापना दिवस को भव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने के उद्देश्य से समीक्षा की गई, जिसमें आगामी 02, 03 और 04 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित तीन दिवसीय राज्योत्सव के सफ़र आयोजन हेतु सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सभी विभागों के स्टॉल वितरण की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही यह निर्देश दिया गया कि स्टॉल 25 वर्षों की रजत जयंती थीम पर आधारित हों और नए योजनाओं के बैनर को विशेष प्राथमिकता दी जाए। राज्योत्सव के दौरान प्रत्येक दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम 5 बजे से आयोजित किए जाएंगे। 2 नवम्बर 2025 को स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा तथा स्कूली बच्चों के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। 3 नवम्बर 2025 को कर्मा दल, कवि सम्मेलन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, वहीं 4 नवम्बर 2025 को समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भरतपुर-सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह उपस्थित रहेंगी। जिले के प्रभारी मंत्री के भी आने की संभावना जताई गई है।

क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी

जिला पंचायत सीईओ एवं विभागीय अधिकारी कैलेंडर आधारित कार्ययोजना बनाकर

उसका नियमित मॉनिटरिंग करें तथा भौतिक निरीक्षण भी सुनिश्चित करें। बैठक में खरीफ 2025 की प्रगति

शादी का झांसा देकर दो साल तक नाबालिग से दुष्कर्म, गिरफ्तार

बिलासपुर

बिलासपुर सिविल लाइन थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की से शादी का झांसा देकर दो साल तक दैहिक शोषण करने वाले युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। आरोपी पीड़िता के ही मोहले का रहने वाला है, जिसने भरोसे और प्रेम का नाटक रचकर किशोरी का लगातार यौन शोषण किया और बाद में शादी से मुकर गया।



बताया जा रहा है कि फरहान पिछले दो वर्षों से किशोरी को फुसलाकर अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर दैहिक शोषण करता रहा। धीरे-धीरे जब किशोरी ने शादी के लिए दबाव डाला तो आरोपी ने शादी से साफ इनकार कर दिया। इससे

मानसिक रूप से टूट चुकी पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। इसके बाद परिजन पीड़िता को लेकर सिविल लाइन थाने पहुंचे और फरहान खान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

खास खबर

तीन अलग-अलग सूने मकानों से नकदी सहित लाखों रुपए के जेवर पार

रायपुर। राजधानी रायपुर के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अज्ञात चोरों ने तीन सूने मकानों से नकदी सहित लाखों रुपए का जेवर पार कर दिए। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार महावीर नगर अभनपुर निवासी अंकित अग्रवाल 36 वर्ष ने अभनपुर थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 2 लाख सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। चोरी गए जुमला कीमती करीब 2 लाख 95 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में रावतपुरा कालोनी फेस 1 टिकरापारा निवासी जितेन्द्र सोनकर 47 वर्ष ने टिकरापारा थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 4 हजार रुपए व हाथ घड़ी पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 7 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। सरस्वती नगर थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 75 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रधानमंत्री मोदी पर छोड़े सवालों के तीर

जगदलपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे के पूर्व, कांग्रेस पार्टी छत्तीसगढ़ की जनता की ओर उनसे सवाल पूछ रही है। हमें उम्मीद है लोकतंत्र में सवाल पूछने से जनता के, विकास के अधिकारों का सम्मान होगा और मोदी जी की ओर से इन सवालों का जवाब आएगा।

दीपक बैज द्वारा उठाए गए सवाल कुछ इस तरह हैं- 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मोदी की गारंटी नाम से राज्य की जनता से लोक लुभावने वादे किए थे।भाजपा की सरकार बने दो साल पूरे होने वाले है, मोदी की गारंटी दम तोड़ चुकी है, इस पर आप राज्योत्सव से प्रारंड से कुछ कहना चाहेंगे।मोदी की गारंटी में भाजपा ने पांच साल में 1 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। इस हिसाब से एक साल में 20 हजार और दो साल में 40 हजार युवाओं को नौकरी मिलनी थी, आपकी सरकार ने दो साल में दो हजार नौकरी भी नहीं दी, इस पर आप कुछ कहना चाहेंगे? मोदी की गारंटी में भाजपा ने ढाई लाख अनियमित कर्मचारियों को 100 दिन में नियमित करने का वादा किया था लेकिन दो साल में किसी भी वर्ग के कर्मचारी नियमित नहीं हुए, इस पर आप कुछ कहना चाहेंगे? मोदी की गारंटी में राज्य की हर विवाहित महिला को एक हजार महिना

देने का वादा था, राज्य में 1.25 करोड़ विवाहित महिलाएं है, इनमें से आधे से भी कम को महतारी बंदन में पैसे मिल रहा है, इस पर आप कुछ कहेंगे? मोदी जी बिहार की महिलाओं को 10 हजार, छत्तीसगढ़ की महिलाओं को 1 हजार देने में भी कोताही ऐसा क्यों? 500 में घरेलू सिलेंडर देने के वादे पर भी धोखा दे दिया। चुनावी सभा में आपने डबल इंजन की सरकार बनने पर छत्तीसगढ़ में सुशासन लाने का वादा किया था, यहां पर तो भाजपा की सरकार बनने के बाद हत्या, लूट, बलात्कार, गोलौबारी, चाकुबाजी की घटनाएं बढ़ गईं, आम आदमी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा, कानून व्यवस्था समाप्त हो गई है, कलेक्टर एसपी कार्यालय जला दिए गए इस पर आप कुछ कहना चाहेंगे? राज्य में बांग्लादेश के नागरिक घुसपैठ करके आए है, राज्य में पाकिस्तान से ड्रग्स आ रहा है, ऐसा दावा राज्य सरकार का है। केंद्र में 11 साल से अधिक समय से आपकी सरकार है,

रायपुर के उद्योगपति पर सलवा जुड़ूम विस्थापितों की 109 एकड़ जमीन हथियाने का आरोप

विधायक विक्रम मंडावी ने इसे सुनियोजित धोखाधड़ी करार दिया, उच्च स्तरीय जांच और जमीन वापसी की मांग

जगदलपुर। बस्तर संभाग में चले सलवा जुड़ूम अभियान के दौरान विस्थापित हुए लोगों की पैतृक जमीन अब उद्योगपतियों की गिद्ध दृष्टि पड़ गई। बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बीजापुर जिले भैरमगढ़ राहत शिविरों में रह रहे पांच ग्रामीणों की कुल 109 एकड़ पैतृक भूमि रायपुर के उद्योगपति महेंद्र गोयनका ने भूस्वामियों को बहला-पुसलाकर खरीद ली है, जबकि भूस्वामियों को इसकी कोई जानकारी तक नहीं थी। विधायक ने इसे सुनियोजित धोखाधड़ी करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच करने और जमीन की तत्काल वापसी की मांग डबल इंजन की सरकार से की है।

प्रेसवार्ता में विधायक विक्रम शाह मंडावी ने कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार बने दो वर्ष होने को हैं, तबसे लगातार हम यह बात कहते आ रहे हैं कि भारतीय



जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार बनने के बाद भाजपा के संरक्षण में बस्तर के जल, जंगल और जमीन को लूटने का काम हो रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के संरक्षण उद्योगपतियों को नजर बस्तर के बहुमूल्य खनिज संसाधनों और बस्तर के जल, जंगल और जमीन पर है। वर्तमान



करते हैं, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता परखते हैं और शिक्षक शिक्षिकाओं को कर्तव्य के प्रति सजग रहने के निर्देश देते रहते हैं। उनके लगातार दौरों से शिक्षण व्यवस्था में कसावट आई है। लापरवाही करने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं पर श्री बघेल कार्रवाई करने से भी नहीं चूकते। अनुशासन और कर्तव्य के मामले में श्री बघेल

भले ही कड़कमिजाज अधिकारी माने जाते हैं, मगर मानवीय संवेदना भी उनमें कूट कूट कर भरी हुई है। जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल की इस संवेदनशीलता का नजारा उनके बकावंद विकासखंड के प्रवास के दौरान देखने को मिला। जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने स्वामी आत्मानंद स्कूलों का निरीक्षण किया। बीआर

बघेल ने स्कूलों में बच्चों के लिए जाति, निवास प्रमाण पत्र और आधार कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाने के लिए कहा।

स्कूल में जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल की नजर एक दिव्यांग छात्र पर पड़ी। इस बच्ची को चलने फिरने में हो रही तकलीफ को देख श्री बघेल का दिल पसीज उठा। उन्होंने तत्काल

स्कूल में व्हीलचेयर की व्यवस्था करवाई। अपने हाथों से बच्ची को व्हीलचेयर पर बिठाया। व्हीलचेयर उपलब्ध हो जाने से बच्ची का चेहरा खिल उठा। निरीक्षण के दौरान बीआर बघेल के साथ जनपद उपाध्यक्ष तरुण पांडे, जनपद सदस्य जगमोहन बघेल, बीआरसी आधिकारी सोनसिंग बघेल एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जारी रहेगा एंटी नक्सल ऑपरेशन, मगर हमने अभी खींच नहीं ली है रेड कार्पेट

जगदलपुर

बस्तर जिले में लगातार दौरा कर समूल रूप से नक्सलियों को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध केंद्र और राज्य सरकार की संकल्पबद्धता के साथ छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा बस्तर संभाग का लगातार दौरा कर रहे हैं। वे आज गुरुवार को फिर बस्तर आए। जगदलपुर के मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जब तक माओवाद का समूल नाश नहीं हो जाता नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का ऑपरेशन चलता रहेगा। श्री शर्मा ने यह भी कहा कि शांतिवार्ता के लिए हमारी सरकार ने जो रेड कार्पेट बिछा रखी है, वह यथावत है। जो समाज, विकास और पुनर्वास की मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उनका स्वागत है।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने एक तरह से बस्तर को अपना दूसरा घर बना लिया है। वे लगातार बस्तर प्रवास पर आते रहते हैं,



पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों से मिलकर उनका उत्साह बढ़ाते हैं और ग्रामीणों से भी मिलकर उनके हर सुख दुख का ध्यान रखते हैं। विजय शर्मा दो दिन पहले ही बस्तर संभाग के अति नक्सल

प्रभावित जिला नारायणपुर के दौरे पर आए थे। उन्होंने नारायणपुर के कच्चापाल जाते समय रास्ते में यशोदा के टपरीनुमा होटल में रुक कर आलू भजिया का लुत्फ उठाया था। आज पुनः श्री शर्मा का जगदलपुर

डी.एम.एफ मद से कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सेवा बहाली हेतु कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया

बेमेतरा

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा में डी.एम.एफ मद से कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने आज जिला कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने अपनी सेवा बहाली की मांग की है।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बताया कि वे विगत कई वर्षों से विद्यालय में पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य कर रहे थे। उनके निरंतर प्रयासों से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।



किंतु हाल ही में उन्हें यह कहते हुए सेवा से हटा दिया गया कि अब वेतन हेतु फंड उपलब्ध नहीं है।

शिक्षक-कर्मचारियों ने कहा कि यह निर्णय उनके लिए अत्यंत दुःखद और निराशाजनक है, क्योंकि इससे उनके परिवारों

बिहार विस चुनाव में छग के मंत्री केदार कश्यप ने झाँकी ताकत



पटना

छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप इन दिनों बिहार विधानसभा के चुनाव में अपना दम दिखा रहे हैं। वे बिहार के बंकीपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मंत्री केदार कश्यप भाजपा प्रत्याशी नितिन नबीन की नामांकन रैली में भी शामिल हुए। बता दें कि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ भाजपा के संगठन प्रभारी भी हैं और उनके साथ मंत्री केदार कश्यप की अच्छी घनिष्ठता भी है। मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनना तय। सुशासन बाबू के नाम से मशहूर नीतीश कुमार को जनता दिल खोलकर समर्थन दे रही है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने बिहार को विकसित राज्य बनाने में कोई कमी नहीं की है। बिहार में नीतीश कुमार जी का

काम भी बोल रहा है। यहां के मतदाताओं ने एनडीए के ही उम्मीदवारों को चुनने का मन बना लिया है। बिहार में फिर से भारी बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनने जा रही है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि महा गठबंधन वाले एक दूसरे से ही गठबंधन नहीं कर पाए तो वे भला बिहार का विकास कैसे कर पाएंगे। उनका मकसद सिर्फ सत्ता हथिया कर बिहार को लूटना है, आतंक का राज कायम करना है। बिहार को लूटकर अपना खजाना भरने के सिवा इन्होंने कुछ नहीं किया। हर परिवार को सरकारी नौकरी के राजद के वादे पर तंज कसते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि ये तो आसमान से तारे तोड़ लाने जैसी बात है। बिहार का जितना बजट नहीं है, स्टेबलिसमेंट नहीं है, उससे ज्यादा नौकरियां भला कैसे दी जा सकती हैं? यह सरासर झूठा प्रलोभन है।

आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने नक्सलवाद पर पत्रकारों से खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के लिए हमारी रेड कार्पेट अभी बिछी हुई है, हमने उसे वापस नहीं खींचा है। जो लौडर शांतिवार्ता के लिए सामने आना चाहते हैं, जरूर आए, उनका स्वागत है। साथ ही श्री शर्मा ने यह भी जोड़ा कि जवानों का ऑपरेशन तब तक रुकना नहीं, जब तक माओवाद का समूल नाश हो जाए। श्री शर्मा ने कहा कि जंगलों में हथियार लेकर घूमने वाले, शिक्षादूतों और निरीह आदिवासियों की हत्या करने वाले लोग हरगिज आदिवासी हितैषी नहीं हो सकते। यह उनका दिखावा मात्र है। गृहमंत्री ने कहा कि संभाग के लुदेड़, नंवी जैसे दुरहू गांवों में आज विकास की बहाल हो रही है, बस्तर का हर नागरिक शांति और विकास चाहता है। माओवादियों को भी लोगों की इस भावना का सम्मान करना चाहिए।

डी.एम.एफ मद से कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सेवा बहाली हेतु कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया

पर गहरा आर्थिक संकट आ गया है। उनका कहना है कि यह हटाया जाना किसी गलती या अक्षमता के कारण नहीं, बल्कि केवल फंड की कमी के कारण हुआ है, जो पूर्णतः अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कलेक्टर महोदय से निवेदन किया कि मानवीय दृष्टिकोण से इस विषय पर संज्ञान लेते हुए उनकी सेवाओं को पुनः बहाल करने की कृपा करें, ताकि उनके परिवारों को जीवन की स्थिरता मिले और विद्यालय की शिक्षण प्रक्रिया निरंतर सुचारू रूप से चलती रहे। ज्ञापन देने वालों में डी.एम.एफ मद से कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने आशा व्यक्त की कि जिला प्रशासन इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लेकर शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के भविष्य को सुरक्षित करेगा।

अमित शाह का मिशन जय -विजय , नीतीश और महागठबंधन



कुमार कृष्णन

बिहार में एक और चुनाव होने जा रहा है, शाह अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। वह न केवल बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बना रहे हैं, बल्कि चुनाव प्रचार में भी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। जहां मोदी ने शुक्रवार को दो रैलियों के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, वहीं शाह ने भी उनकी गति से कदमताल मिलाते हुए उसी दिन दो रैलियां तथा शनिवार को बिना रुके दो रैलियां खगड़िया और मुंगेर में कीं।

केेंद्र्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सपना अगले पाँच दशकों तक पंचायत से लेकर संसद तक भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में देखना है। नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में भाजपा अध्यक्ष के रूप में, शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बार-बार इस दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया था। बिहार का उस सपने में एक विशेष स्थान है। शाह 2015 में उनके नेतृत्व में राज्य में भाजपा को मिले उस झटके को नहीं भूलें हैं, जब समाजवादी दिग्गज लालू प्रसाद और नीतीश कुमार ने भाजपा की सत्ता की कोशिश को विफल करने के लिए हाथ मिलाया था। उनके करीबी लोगों के अनुसार, बिहार से ज्यादा, कुमार का विश्वासघात-भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला-शाह को खटक रहा है। नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस आ गए हैं, लेकिन भाजपा के एकछत्र शासन की उनकी आकांक्षा अभी भी अधूरी है। बिहार में एक और चुनाव होने जा रहा है, शाह अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। वह न केवल बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बना रहे हैं, बल्कि चुनाव प्रचार में भी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। जहां मोदी ने शुक्रवार को दो रैलियों के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, वहीं शाह ने भी उनकी गति से कदमताल मिलाते हुए उसी दिन दो रैलियां तथा शनिवार को बिना रुके दो रैलियां खगड़िया और मुंगेर में कीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मुंगेर व खगड़िया की धरती पर पांच वर्ष बाद उनका यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना था। इससे पूर्व 2020 के विधानसभा चुनाव में वे मुंगेर आए थे। इस बार नौवागढ़ी में आयोजित जनसभा के माध्यम से वे न सिर्फ मुंगेर, बल्कि आसपास के जिलों खगड़िया, बांका, लखीसराय और जमुई के एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में वोट की अपील की। इससे पहले खगड़िया में खगड़िया मुख्यालय (संसारपुर मैदान) की सभा रद्द होने से तेजस्वी यादव भड़क उठे।इसे तानाशाही रवैया करार दिया। तेजस्वी ने आरोप लगाया, भाजपा और प्रशासन को जनता की भीड़ से डर लग रहा है। लेकिन जनता अब किसी के दबाव में आने वाली नहीं है। जनता का मूड भांपना कठिन है। मुंगेर में मंच पर पहुंचने के बाद अमित शाह ने देखा कि दर्शक दीर्घा में कुर्सियां खाली हैं। स्वागत समारोह के दौरान, भीड़ कम होने पर उन्होंने मंच संचालन कर रहीं अंजू भारद्वाज को इशारा किया और प्रदेश अध्यक्ष से संबोधन शुरू करने की कहा। इसी बीच, गृह मंत्री अपनी कुर्सी से उठकर खड़े हो



गए और मंच से ही सुरक्षा में लगे पुलिस जवानों को निर्देश दिया कि वे चेकिंग हटा दें और लोगों को बिना जांच के कार्यक्रम स्थल पर आने दें। अमित शाह जंगल राज का हवाला देते रहे हैं।वहीं दूसरी ओर महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने सत्तारूढ़ एनडीए के साथ चुनावी जंग शुरू कर दी, जिसकी सरकार ने बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान कई मुफ्त योजनाओं की घोषणा की थी। वहीं महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहेरे के रूप में घोषित तेजस्वी यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार में सत्तारूढ़ राजग खत्म होने की राह पर है और महागठबंधन के नेतृत्व वाली राज्य की नई सरकार केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए वक्फ अधिनियम की कूड़ेदान में डाल देगी। यह कहकर मुस्लिम मतदाताओं की ओर जहां पासा फेंका, वहीं उन्होंने सत्ता में आने पर पंचायत प्रतिनिधियों के भत्ते वेगुने करने और उन्हें पेंशन देने का वादा किया। उन्होंने बड़ई, कुम्हार और नाइयों को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त व्यावसायिक ऋण देने का वादा किया। तेजस्वी, ने पहले हर परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने और सौदा कर्मचारियों को स्थायी रोजगार देने का वादा किया था, ने अपने व्यापक कल्याणकारी एजेंडे के वित्तीय रोडमैप का व्योरा देने से परहेज किया।जब उनसे पूछा गया कि नकदी की तंगी की स्थिति में वे धन का प्रबंध कैसे करेंगे, तो उन्होंने कहा, हमने वैज्ञानिक अध्ययन किया है और यह किया जा सकता है।

तेजस्वी अपने वादे पूरे करते हैं। तेजस्वी ने पटना में मीडिया से कहा, महागठबंधन की सरकार बनने पर हम बिहार की त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था और ग्रामकचहरी के प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना कर देंगे।पंचायतों और ग्राम कचहरियों के प्रतिनिधि पेंशन की मांग कर रहे हैं। हमने तय किया है कि उन्हें पेंशन मिलेगी और साथ ही 50 लाख रुपये का बीमा कवरेज भी मिलेगा। तेजस्वी के बड़े-बड़े वादे नीतीश कुमार सरकार की नवीनतम घोषणाओं से आगे निकलने की उनकी उत्सुकता को दर्शाते हैं।विधवाओं और विकलांगों के लिए पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये प्रति माह करने के अलावा, नीतीश ने ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 1 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपये की नकद राशि हस्तांतरित की है। जून में, राज्य सरकार ने बिहार की 8,053 ग्राम पंचायतों, 533 पंचायत समितियों और 38 जिला परिषदों के प्रतिनिधियों के भत्ते और अन्य लाभ बढ़ा दिए।नीतीश ने जिला परिषद अध्यक्षों का मासिक भत्ता रू. 20,000 से बढ़ाकर रू. 30,000 कर दिया है, उपाध्यक्षों का मासिक भत्ता रू. 10,000 से बढ़ाकर ? 20,000 कर दिया है। मुखियाओं (पंचायत प्रमुखों) का मासिक भत्ता रू. 5,000 से बढ़ाकर रू. 7,500 कर दिया गया है। तेजस्वी का बड़ई, कुम्हार और नाई जैसे कारीगरों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा, अति पिछड़े वर्गों तक पहुंच बनाने का प्रयास प्रतीत होता है। तेजस्वी ने कहा, बिहार बदलाव के लिए तैर रहा है; लोग

वर्तमान सरकार से तंग आ चुके हैं। राजनीतिक गलियारे में बिहार से ज्यादा, कुमार का विश्वासघात-भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला-शाह को खटक रहा है। इसलिए गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं, 'मैं यह तय करने वाला नहीं हूँ कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं। फिलहाल हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव के बाद सभी सहयोगी दल बैठकर अपने नेता का चयन करेंगे।' अमित शाह ने यह कहकर अटकलें बढ़ा दीं कि भाजपा का संसदीय बोर्ड इस पर फैसला लेगा। तब से ही नीतीश कुमार को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है। यह सवाल भी किया जा रहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने एकनाथ शिंदे के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। फिर जीत गए तो मुख्यमंत्री अपना बना लिया। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू केंद्र में भी एनडीए के साथ है और सरकार में शामिल है। भाजपा का अपने दम पर बहुमत नहीं है और जेडीयू के 12 सांसद हैं। बार बिहार में भाजपा और जदयू बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि 2020 में जदयू को चुनाव लड़ने के लिए ज्यादा सीटें दी गई थीं। हालांकि, तब भी जदयू भाजपा के मुकाबले कम सीटों पर ही जीती थी। कम सीटों पर जीतने के बाद भी बीजेपी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया। भाजपा मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर आधिकारिक तौर पर स्थिति एकदम साफ नहीं कर रही है तो इसके पीछे की वजहों भी की चर्चा होने लगी है। नीतीश कुमार, जिन्हें बहुत लोग राजनीति का 'चाणक्य' कहते हैं, जानते हैं कि मुश्किल समय में भी कैसे खुद को मजबूत और अहम बनाए रखना है। राज्य में शराब बंद करने के फैसले पर कई बार आलोचना हुई, लेकिन उन्होंने कई बार कहा, 'शराब बंदी पर मैं झुकने वाला नहीं हूँ।' यह दिखाता है कि वे अपने फैसलों में बहुत सख्त और अडिग रहते हैं। दूसरी तरफ, वे काफी लचीले भी रहे हैं। 2024 में एनडीए में लौटने के बाद, नीतीश ने वादा किया कि अब वे फिर से पार्टी नहीं बदलेंगे, जबकि पिछले 15 सालों में वे इसे अक्सर करते रहे हैं। इन टूट-फूट और मेघ-मिलाप के बावजूद, नीतीश कुमार फिर से सत्तारूढ़ गठबंधन का मुख्य चेहरा बने हुए हैं। अब भी बने रहेंगे इसका फैसला बिहार के लोगों के हाथ में है, उनका वोट ही इस भ्रम को साफ करेगा, जब 14 नवंबर को चुनाव के नतीजे घोषित होंगे।

संपादकीय

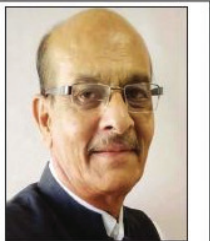
कैसे फाड़ेंगे वक्फ कानून?

विपक्ष के मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव और राजद के कड़ुवादी छूटभैया नेता भी मुस्लिमवादी हैं। वे चोर मोदी-विरोधी हैं और अब भी उन्हें 2002 के गांधरा दंगों का 'खलनायक' करार देते हैं। देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुसलमानों के लिए भी उन्होंने योजनाएं बनाई हों, मुफ्त अनाज बांटा हो, देश के संसाधनों तक उनकी सहज पहुंच तय की हो, लेकिन वे मोदी को 'संहारक' मानते हैं। देश की सर्वोच्च अदालत का भी ऐसा कोई फैसला नहीं है, लेकिन ज्यादातर मुसलमान प्रधानमंत्री से नफरत करते हैं। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' बहुत छोटे और अनुपयुक्त शब्द हैं। वक्फ कानून का विरोध ही 'सांप्रदायिक' है। पहले तेजस्वी ने एक सार्वजनिक मंच से वक्फ संशोधन कानून की मुखालफत करते हुए हुंकार भरी थी कि बिहार में 'ईंडिया गठबंधन' की सरकार बनी, तो वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। अब राजद के विधान परिषद सदस्य कारी शोएब ने मुस्लिम वोट बैंक को उकसाने के मद्देनजर चुनावी मंच से धमकी-सी दी है कि जिन्होंने वक्फ बिल को समर्थन दिया था, उनका इलाज किया जाएगा। बिहार में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद वक्फ समेत ऐसे तमाम बिलों को फाड़ कर फेंक दिया जाएगा। यह कैसा अनर्गल अलाप और चुनाव-प्रचार है? संविधान के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और हाथों में संविधान की फर्जी प्रति लिए उसके 'रक्षक' होने का दंभ भरते हैं और सार्वजनिक मंचों से 'घोर असंवैधानिक' ऐलान करते हैं! सवाल है कि संसद के दोनों सदनों में पारित और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अधिसूचित केंद्रीय कानून का एक राज्य सरकार क्या बिगाड़ सकती है? यदि संशोधित कानून का दस्तावेजी कागज फाड़ भी देंगे, तो कानून का क्या बिगड़ेगा? कानून तो यथावत और लागू अवस्था में बरकरार रहेगा। जिस मुस्लिम छूटभैये ने 'इलाज' करने की धमकीनुमा भाषा का इस्तेमाल किया है, तो सवाल है कि कल्पित तेजस्वी सरकार किनका इलाज करेगी?

वितन-मनन

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्या देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही काम में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरुषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूँढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और उन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुःख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है। शस्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुःख प्राप्त करता है।



सनत जैन

भारत से कौन सी दुश्मनी निकाल रहे हैं टूट... अमेरिका द्वारा एक बार फिर भारतीयों को बेड़ी और हथकड़ियों में जकड़कर भारत डिपोर्ट किया गया है। यह कृत्य मनोवैज्ञानिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा दोनों के खिलाफ है। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकारों, भारत और अमेरिका के संबंधों को लेकर भी यह कृत्य बहुत आपत्तिजनक है। सूचनाओं के मुताबिक कई युवा, बेहतर जीवन और रोजगार की उम्मीद लेकर अमेरिका गए थे। टूट प्रशासन द्वारा लगातार नियम और कानून को बदला जा रहा है, ऐसी स्थिति में ही उन्हें अमेरिका से बाहर निकाला जा रहा है। जिन लोगों को अमेरिका से भारत भेजा गया है, उनके साथ अमेरिका में हिंसक और अपमानजनक व्यवहार किया गय और फिर आतंकवादियों की तरह भारत वापस भेजा गया है। उनके हाथ-पैर जंजीरों में बन्धे हुये थे। इस स्थिति को लेकर युवा और उनके परिवारजन किस तरह से अपमानित और असहज महसूस कर रहे होंगे। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। यह कार्यवाही साधारण नीतिगत कदम

नहीं है। टूट प्रशासन भारत के साथ जानबूझकर इस तरह की कार्यवाही कर रहा है। पहले भी इस तरह की कार्रवाई अमेरिका कर चुका है। भारत सरकार द्वारा विरोध दर्ज कराने के बाद भी यदि यही कार्रवाई बार-बार हो रही है तो यह भारत के लिए बड़ी चिंताजनक स्थिति है। कई वर्षों से चले आ रहे प्रवासन, मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की जटिल समस्या एक अलग बात है, लेकिन जो छात्र या अन्य लोग रोजी रोजगार के लिए गए हैं जो किसी अपराध में लिप्त नहीं थे उन्हें यदि इस तरीके से भारत वापस भेजा जाता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। सबसे पहले, इसे मानवाधिकार के नजरिए से देखा जाना चाहिए। किसी भी नागरिक को, चाहे वह किसी भी देश का क्यों न हो। जब गिरफ्तार या डिपोर्ट किया जा रहा हो, तब उसके साथ इस तरह का व्यवहार, जिसमें भूख-प्यास, कई दिनों तक हिरासत में रखने और उल्टीड़न कर पीड़ित करने जैसे कृत्य अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के विरुद्ध हैं। आब्रजन नियमों के उल्लंघन में बच्चे, बूढ़े, युवा और महिलाओं को हिरासत में रखकर भोजन-जल तथा लैंगीयवादी सुविधाओं को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वह हिरासत में शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना झेलते हैं। यह कानूनी कार्रवाई नहीं, मानवता पर चोट है। इससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका की सरकार जानबूझकर व्यवहार किया गया और फिर आतंकवादियों की तरह भारत वापस भेजा गया है। उनके हाथ-पैर जंजीरों में बन्धे हुये थे। इस स्थिति को लेकर युवा और उनके परिवारजन किस तरह से अपमानित और असहज महसूस कर रहे होंगे। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। यह कार्यवाही साधारण नीतिगत कदम

तेजस्वी को पिता का आशीर्वाद, तेज प्रताप को खुद पर भरोसा, कौन बनेगा लालू की विरासत का असली वारिस?



निरज कुमार दुबे

बिहार की राजनीति एक बार फिर उसी मोड़ पर है, जहां सत्ता की जड़ें वंश, विरासत और विद्रोह के ताने-बाने में उलझी हुई हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के दो बेटे- तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव आज एक-दूसरे से अलग राहों पर खड़े हैं, लेकिन दोनों की राजनीति अब भी एक ही राजनीतिक केंद्र की परिक्रमा करती दिखती है। एक ओर राघोपुर है- जिसे लोग 'मुख्यमंत्रियों की धरती' कहते हैं। यही वह सीट है जिसने पहले लालू प्रसाद और फिर राबड़ी देवी को सत्ता के शिखर तक पहुंचाया। अब वहीं से लालू के छोटे पुत्र तेजस्वी यादव तीसरी बार मैदान में हैं और इस बार वह सिर्फ उम्मीदवार नहीं, बल्कि 'मुख्यमंत्री पद' के दावेदार भी हैं। दूसरी ओर है महुआ- जहां कभी बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब वह उसी भूमि पर लौटे हैं, लेकिन इस बार पिता की पार्टी से निष्कासित होकर, एक नई राजनीतिक पहचान के साथ- जनशक्ति जनता दल के मुखिया के रूप में। देखा जाये तो यह चुनाव सिर्फ सीटों का मुकाबला नहीं, बल्कि एक परिवार के भीतर विचारों, अहं और नेतृत्व की टकरावट का भी मंच बन गया है। राघोपुर की बात करें तो आपको बता दें कि वैशाली



जिले का राघोपुर विधानसभा क्षेत्र इस बार बिहार चुनाव का सबसे हाई-प्रोफाइल रणक्षेत्र बन चुका है। यहाँ के 3.4 लाख से अधिक मतदाता जानते हैं कि उनका फैसला राज्य का भविष्य तय कर सकता है। तेजस्वी यादव, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। उनके अभियान का केंद्र है- 'परिवर्तन की राजनीति।' रैलियों में वह बार-बार कहते हैं, 'यह चुनाव बिहार को दिशा देने का अवसर है, केवल सरकार बदलने का नहीं।' राजद के पारंपरिक यादव वोटों के साथ इस बार वाद दलों और कांग्रेस का भी साथ है। निषाद वोटों में पकड़ रखने वाली वीआईपी पार्टी भी गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन इस गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहे हैं भाजपा के सतीश कुमार। वहीं सतीश कुमार जिन्होंने 2010 में राबड़ी देवी को हराकर इस 'वीआईपी सीट' को झटका दिया था। सतीश कुमार सवाल उठाते हैं- 'दो बार उपमुख्यमंत्री तेजस्वी अपने क्षेत्र के लिए एक कॉलेज या अस्पताल तक नहीं दिला सके। अगर स्थानीय विकास

नहीं दिखा, तो राज्य के विकास के वादों पर भरोसा कैसे किया जाए?' तेजस्वी पर भरोसा करने वाला यादव वर्ग भी इस बार आत्ममंथन की स्थिति में है। एक ओर वह 'अपना लड़का' देख रहे हैं, तो दूसरी ओर बीते दो दशकों की सत्ता-विहीनता की कसक भी महसूस कर रहे हैं। दूसरी ओर, राघोपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर महुआ में कहानी बिल्कुल अलग मिलने उतनी ही भावनात्मक है। यही वह सीट है जहाँ 2015 में तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली राजनीतिक जीत दर्ज की थी। अब वह लौटे हैं, लेकिन इस बार बिना राजद के इंडो है। महुआ में एक दिलचस्प कहानी सुनाई देती है- 'भी दाल में ही गिरता है।' मतलब यह कि चाहे तेज प्रताप को वोट दो या राजद को, फायदा अंततः लालू परिवार को ही होगा। यह भावनात्मक रिश्ता अभी भी बिहार के यादव मतदाता के दिल में जंदा है- 'राजद ने इस सीट पर अपने वफादार मौजूदा विधायक मुकेश रौशन को उम्मीदवार बनाया है। रौशन की सबसे बड़ी चुनौती तेज प्रताप नहीं, बल्कि भावनाएं हैं- जो लालू परिवार की हर

शाखा को जोड़ती हैं। तेज प्रताप का कहना है कि 'राजद में लौटने से अच्छा मौत चुनना है।' लेकिन बिहार के लोग जानते हैं कि इस परिवार के राजनीतिक रिश्ते हमेशा 'तलाकशुदा' नहीं होते। वे तत्काल के बीच की साथ जीने की कला जानते हैं। तेज प्रताप के चांदे भी हमेशा की तरह रंगीन हैं- 'अगर जीत गया, तो महुआ में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाऊँगा, जहाँ भारत-पाकिस्तान मैच होगा।' पर जमीनी हकीकत कुछ और है- मेडिकल कॉलेज बना, लेकिन दरवाजे बंद हैं; भवन खड़ा है, मगर बिस्तर नहीं। यही कारण है कि महुआ का मतदाता आज 'दिल और दिमाग' के बीच झूल रहा है। इसके अलावा, बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव की विचारधारा आज दो दिशाओं में बंटती दिख रही है। तेजस्वी उस विचारधारा को आधुनिक चेहरे में ढालना चाहते हैं और अपने भाषणों में बेरोजगारी, शिक्षा और शासन की नई भाषा के बारे में बात कर रहे हैं वहीं तेज प्रताप उस विचारधारा को भावनात्मक लोकलुभावन रूप में जिंदा रखना चाहते हैं और अपने भाषणों में धर्म, जाति और गौरव के प्रतीकों का जिक्र कर रहे हैं। राघोपुर से तेजस्वी जहाँ लालू का 'विकल्प' बनने की कोशिश में हैं, वहीं महुआ में तेज प्रताप 'विरासत' के बोझ और आशीर्वाद के बीच झूलते दिख रहे हैं। बहरहाल, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस चुनावी रणभूमि में लालू प्रसाद का आशीर्वाद ज्यादा असर दिखाता है या लालू प्रसाद का नाम। देखा दिनामिस्य होगा कि पिता के समर्थन से राघोपुर में उतरा छोटा बेटा तेजस्वी यादव सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ता है या फिर अपने दम और अड़कों के भरोसे मैदान में उतरा बड़ा बेटा तेज प्रताप यादव कोई चमत्कार कर दिखाता है। बिहार की जनता जानती है- यहाँ राजनीति सिर्फ गणित नहीं, थोड़ा तंत्र और बहुत सारा नाट्यशास्त्र भी है। बाकी, घी दाल में गिरता है या हांडी में, यह तो मतगणना वाले दिन ही पता चलेगा!



ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कैरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कैरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशनल नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कैरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कैरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

ऐसे बनाएं कैरियर

कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के

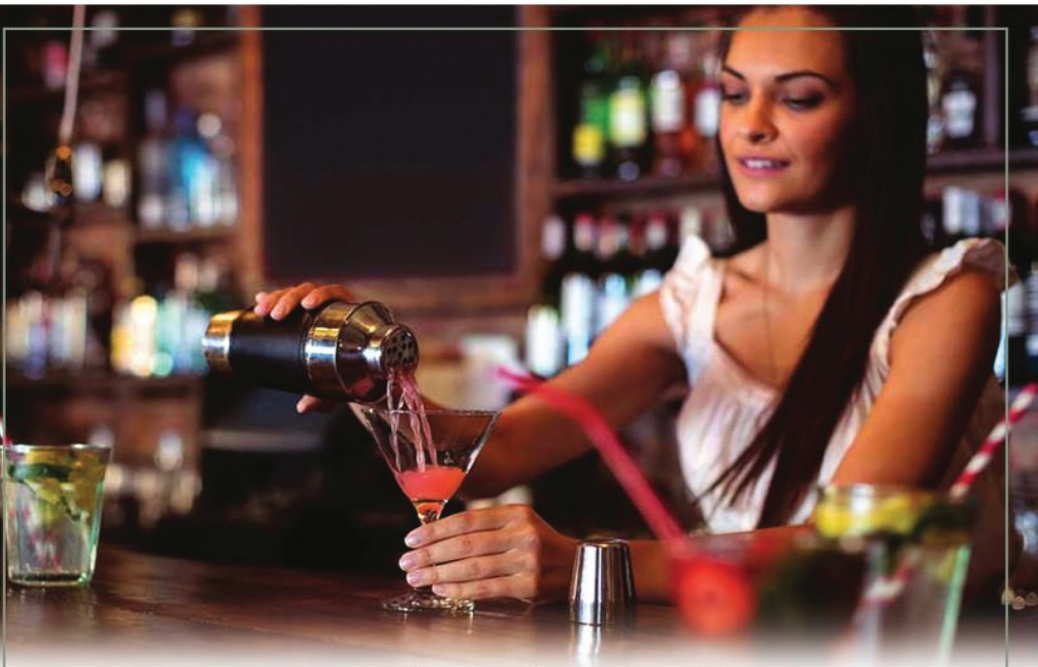
क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कैरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कैरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कैरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर ट्रेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।



एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व प्रे़हली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कैरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कैरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद ड्रिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कैरियर के बारे में बता रहे हैं -

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की ड्रिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गनाइज करना, कस्टमर्स को नए ड्रिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कैरियर

जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व प्रे़हली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण

पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कैरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैक्सी आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरुआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल कार्डिसल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी - एप्लाइड न्यूट्रिशन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, शटल, कारनाम अधिकारी, शानबोगर आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं -

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, शटल, कारनाम अधिकारी, शानबोगर आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है। लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए।

मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।

- उम्मीदवार के पास कम्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए

जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मावर्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।



टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रूप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यू ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है। कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएं और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट

और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढ़ें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कोटैक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के

जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑनलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारी में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढ़ाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटि हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्राहकों की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई तरीकों से बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में पैसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अगले हेल्थी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हा! स्वाद के लिए अपने मेन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मेन्यू जरूर बना सकते हैं। त्योहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8-00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सएप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।



द गर्लफ्रेंड कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं : रश्मिका मंदाना

बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की रोमांटिक ड्रामा फिल्म द गर्लफ्रेंड जल्द ही रिलीज होने वाली है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। रश्मिका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं, यह आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। फिल्म द गर्लफ्रेंड का ट्रेलर रिलीज। फिल्म में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अभिनेता धीक्षित शेड्डी मुख्य भूमिका में हैं। 2 मिनट 39 सेकंड के ट्रेलर में रश्मिका भूमा के किरदार में और धीक्षित विक्रम के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, फिल्म में अनु इमैनुएल का किरदार भी अहम है। फिल्म तेलुगु के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि विक्रम (धीक्षित) को एक टॉक्सिक, डॉमिनेटिंग, घमंडी, हिंसक और शक्की बॉयफ्रेंड के रूप में दिखाया गया है, जबकि भूमा एक साधारण और सहज लड़की है, जो एक टॉक्सिक रिश्ते के बोझ में दबी है। ट्रेलर की शुरुआत में रश्मिका (भूमा) झिझकते हुए विक्रम से कहती है कि क्या हम थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं? जिस पर रिएक्ट करते हुए विक्रम कहता है, ब्रेक का मतलब एक से ब्रेक है। इसके बाद कहानी पीछे जाती है, जहां विक्रम भूमा को प्रपोज करता है, जिसमें वह कहता है, परसों शुभ मुहूर्त है, चलो शादी कर लेते हैं। विक्रम को भूमा पर पूरा भरोसा है, लेकिन भूमा झिझकते हुए उसे बॉयफ्रेंड कहती है। फिल्म का लेखन और निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है। हेशाम अब्दुल वहाब ने म्यूजिक दिया है और सिनेमेटोग्राफी कृष्णन वसंत ने की है। द गर्लफ्रेंड एक इमोशनल कहानी का वादा करती है, जो प्रेम और रिश्तों की जटिलताओं को उजागर करेगी।

उर्वशी रौतेला के अलग-अलग तीन गानों रचा इतिहास



बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने वह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया। यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तौर पर एक-एक अरब व्यूज के करीब पहुंच रहे हैं, जो मिलकर लगभग तीन अरब व्यूज का अभूतपूर्व आंकड़ा बनाते हैं। इसके साथ ही, वह न सिर्फ पहली, बल्कि इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है—यह उनके वैश्विक प्रभाव, जबरदस्त लोकप्रियता और बेहतरीन स्क्रीन प्रेजेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के तमाम देशों तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय एंथम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने स्तर पर एक अरब व्यूज के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेजी से बढ़ रहा है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उनकी सफलता की निरंतरता। ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, सेलिब्रेट करते हैं, नाचते हैं और पीढ़ियों व सीमाओं के पार शेरार करते हैं। ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल मौजूदगी ही प्रभाव को तय करती है, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुंचाया है जहाँ पहुंचना बहुतों के लिए नामुमकिन होता है। एक युवा प्रतिभा से अरबों दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली ग्लोबल आर्टिस्ट बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणादायक ही नहीं ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह धारणाएँ बदल रही हैं, महिला कलाकारों के लिए नए मानक गढ़ रही हैं और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही हैं।



बेबाकी और हिम्मत की मिसाल बनीं मल्लिका शेरावत

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने परिवार के विरोध, समाज की बंदिशों और आलोचनाओं के बावजूद अपने सपनों की राह चुनी। हिंदी सिनेमा की दुनिया में नाम कमाना जितना आसान दिखता है, उतना ही कठिन होता है। इसके बावजूद मल्लिका ने हार नहीं मानी। मल्लिका कहती हैं कि अगर किसी चीज को



पाने की सच्ची चाह हो, तो दुनिया की कोई ताकत आपको रोक नहीं सकती। यही जिद उन्हें हरियाणा के छोटे से गांव से मुंबई तक ले आई और उन्होंने साबित कर दिया कि आत्मविश्वास और मेहनत से असंभव भी संभव हो सकता है। 24 अक्टूबर 1976 को जन्मी मल्लिका शेरावत का असली नाम रीमा लांबा है। परिवार ने उनके फिल्मी में आने के फैसले का कड़ा विरोध किया, लेकिन मल्लिका के मन में कुछ बड़ा करने की आग थी। उन्होंने घर छोड़ दिया और बिना किसी सहारे मुंबई पहुंच गई। वह बताती हैं, 'जब मैं हरियाणा से मुंबई आई, मेरी जेब में दस रुपए थे या नहीं, किसी ने नहीं पूछा। कोई लाल कालीन नहीं बिछा था। लेकिन मैंने ठान लिया था कि अपनी जिंदगी अपने नियमों से जीऊंगी।' मल्लिका ने अपने करियर की

शुरुआत मॉडलिंग से की और अमिताभ बच्चन व शाहरुख खान जैसे दिग्गजों के साथ विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों के ऑडिशन मिलने लगे और 2004 में आई फिल्म मर्डर ने उनकी किस्मत बदल दी। इस फिल्म ने मल्लिका को रातोंरात स्टार बना दिया और वह बॉलीवुड की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। मल्लिका ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मर्डर इतनी बड़ी हिट होगी। मैं भट्ट साहब की फिल्में देखकर बड़ी हुई थी। इमरान हाशमी जेंटलमैन थे और बोल्ड सीन के बावजूद मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी।' फिल्म की सफलता के साथ मल्लिका को जहां शोहरत मिली, वहीं कई विवाद भी सामने आए। उन्होंने कहा कि लोग उनके ऑन-स्क्रीन किरदार को उनकी असल जिंदगी से जोड़ने लगे। 'लोगों को लगता था कि अगर मैं स्क्रीन पर बोल्ड सीन कर सकती हूँ तो निजी जीवन में भी वैसी ही हूँ। लेकिन मैंने हमेशा कहा कि रील और रियल लाइफ अलग होती हैं।' मल्लिका ने कहा। मल्लिका ने अपनी जिंदगी में अनुशासन को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, 'मैं शाकाहारी हूँ, शराब-सिगरेट नहीं छूती, देर रात तक पार्टियों में नहीं जाती। मैं जल्दी सोती हूँ, जल्दी उठती हूँ और अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखती हूँ। मैंने कभी प्लास्टिक सर्जरी नहीं करवाई क्योंकि इसकी जरूरत ही नहीं पड़ी।' मल्लिका ने हॉलीवुड में जैकी चैन के साथ द मिथ में काम किया, कान्स फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की और कमला हैरिस व बराक ओबामा जैसे दिग्गजों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भले ही परिवार ने कभी नहीं कहा कि उन्हें उन पर गर्व है, लेकिन दुनिया से मिला सम्मान उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।

रोम में छुट्टियों का भरपूर आनंद लिया सैयामी खेर ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर ने इटली की राजधानी रोम में अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद लिया। सैयामी ने इस यात्रा को खास बनाने के लिए दो सबसे प्रिय चीजों को जोड़ा। पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। एक्ट्रेस ने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर में जाती हैं, तो वहां की सड़कों पर दौड़ना उनके लिए उस जगह को महसूस करने का एक अनोखा तरीका है। इस बार भी उन्होंने अपने माता-पिता और बहन के साथ रोम के ऐतिहासिक और खूबसूरत नजारों का आनंद लिया और साथ ही रोम हाफ मैराथन में हिस्सा लेकर अपनी यात्रा को यादगार बना दिया। सैयामी ने कहा, क्रमशः लिए किसी शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका है पैदल चलना या दौड़ना। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टैप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रतिष्ठित जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा को महसूस किया। हर मोड़ पर इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी। उन्होंने बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बेहद सुहावना था और ताजी हवा ने पूरे अनुभव को और भी खास बना दिया। सैयामी ने आगे कहा, फ़क़्त कुछ पल ऐसे थे जब लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूँ। मैं बस मुस्कुरा रही थी और रोम के माहौल में खो गई थी। 2।

कशिका कपूर की शालीनता ने मंत्रमुग्ध कर दिया सभी को

हाल ही में कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पापाराजी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में वायरल सेंसेशन बन गया फेन्स और मीडिया दोनों उनकी शालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध रह गए। अब वायरल हो चुके वीडियो में कशिका अपने सिग्नेचर स्टाइल में रेड कार्पेट पर चलती नजर आती हैं आत्मविश्वास से भरी हुईं, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर-ड्रामेटिक अंदाज, न कोई बनावट बस एक शांत आभा, जो बिना कोशिश के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके पेस्टल मिंट आउटफिट की तारीफ़ कर रहा था, वहीं यह साफ़ दिख रहा था कि बात सिर्फ़ कपड़ों की नहीं थी बल्कि उनकी मौजूदगी की थी। कशिका ने खुद को उस शांतिपूर्ण रूप में पेश किया जो जानती हैं कि वो कौन हैं और कहा जा रही हैं। हर फ्रेम में उनके सफ़र की झलक थी एक उभरती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई लहर को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक। कशिका की खासियत उनकी संतुलन भरी शालीनता है ग्लैमर के बीच भी ज़मीन से जुड़ी हुईं। वायरल होने के बावजूद, वो खुद को सच्चाई से पेश करती हैं अपनापन और आकर्षण का सुंदर मेल। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बार फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ़ दिखने के लिए नहीं हैं बल्कि याद किए जाने के लिए हैं। मालूम हो कि कभी-कभी कोई रेड कार्पेट लम्हा सिर्फ़ फैशन तक सीमित नहीं रहता वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व और शांत शक्ति का प्रतीक।

बॉलीवुड में हक से वर्तिका सिंह करेंगी डेब्यू

आगामी फिल्म हक बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की इस फिल्म से पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया-सुपरमॉडल वर्तिका सिंह बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वर्तिका एक ऐसी महिला की भूमिका निभाएंगी जो भावनात्मक रूप से बहुत मजबूत है। सुपर्ण वर्मा इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस 'द फैमिली मैन' और 'राणा नायडू' जैसी वेब सीरीज में अपने संजीदा अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिल्म में अपने रोल के लिए वर्तिका ने काफी ट्रेनिंग ली। उन्होंने कई भाषा के जानकारों से उनके किरदार के लिए बोलने का लहजा सीखा। कई वर्कशॉप भी लीं। वर्तिका सिंह लखनऊ की रहने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग लखनऊ में भी हुई है। मेकर्स का कहना है कि इस रोल के लिए वह बिलकुल परफेक्ट थीं। वर्तिका सिंह ने 2019 में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के 68वें संस्करण में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले उन्हें 2015 में फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज पहनाया गया। जीवक्यू मैगजीन ने उन्हें 2017 में भारत की सबसे खूबसूरत महिलाओं में शुमार किया था। फिल्म हक की कहानी साल 1985 के प्रसिद्ध शाह बानो बनाम अहमद खान केस से प्रेरित है, जो महिला अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मील का पत्थर माना जाता है। फिल्म में यामी गौतम शाह बानो का किरदार निभा रही हैं, जबकि इमरान हाशमी उनके पति मोहम्मद अहमद खान की भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म हक को सुपर्ण एस वर्मा ने डायरेक्ट किया है। इसमें शोभा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हद्दमडी जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी मशहूर जर्नलिस्ट जिना वारा की बुक बानो-भारत की बेटी पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद जिना वारा ने कहा था कि फिल्म में सभी कलाकारों ने अपने-किरदार के साथ न्याय किया है।



फिल्म इंडस्ट्री के एक हिस्से में स्थायी सोच पनपी हुई है: अभिनव कश्यप

बालीवुड फिल्म निर्देशक अभिनव कश्यप ने सुपर स्टार सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के संदर्भ में अपने अनुभव और नाखुशी जाहिर की। अभिनव ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री के एक हिस्से में एक स्थायी सोच पनपी हुई है जो नए नजरिये और क्रिएटिविटी को दबा देती है। उनके मुताबिक इंडस्ट्री में यह धारणा फैली है कि फिल्में हीरो के दम पर चलती हैं और पर्लॉप होने पर निर्देशक को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है जिसे उन्होंने जिहादी मानसिकता तक कह डाला। अभिनव ने बताया कि शाहरुख के साथ उनकी करीबी बातचीत रही है और आमिर के साथ भी उन्होंने काम किया है, इसलिए उनके अनुभवों की बुनियाद पर वे इन टिप्पणियों को कर रहे हैं। शाहरुख के बारे में वे कुछ बातें सार्वजनिक नहीं करना चाहते क्योंकि उनका मानना है कि इससे शाहरुख के परिवार पर असर पड़ सकता है अगर मैं उनके खिलाफ खुल जाऊं तो बहुत कुछ बिगड़ जाएगा, उन्होंने कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शाहरुख को वे एक पारिवारिक व्यक्ति समझते हैं और उनके घर-परिवार को संकट में नहीं डालना चाहते। वहीं आमिर खान को लेकर अभिनव ने कड़ा रुख अपनाया और उन्हें सबसे चालाक लोमड़ी और मैनिपुलेटिव बताया। उन्होंने कहा कि आमिर ने उन्हें भी कई बार मैनिपुलेट किया और उनके काम करने के तरीके पर भी सवाल उठाए। अभिनव ने यह भी दावा किया कि आमिर कई बार कई टेक्स लेते हैं जबकि उनका पहला और आखिरी टेक समान रहता है और उन्होंने कुछ व्यक्तिगत किस्सों का भी जिक्र किया। सलमान खान पर अभिनव ने पहले भी तीखी बातों की हैं और इस इंटरव्यू में उन्होंने फिर उनसे जुड़ी आलोचनात्मक टिप्पणियां दोहराईं। साथ ही उन्होंने सलीम खान और कुछ अटकलों को जोड़ते हुए विवादित शब्दों का प्रयोग किया, जिनमें उन्होंने लव जिहादी और थूक जिहादी जैसे उपमाओं का इस्तेमाल किया। ये टिप्पणियां सोशल और व्यक्तिगत व्यवहार पर उनकी व्यंग्यात्मक टिप्पणी के रूप में आईं। अभिनव के बयान बॉलीवुड के भीतर चल रहे गहन गुटबाजी और शक्ति-संबंधों की चर्चा को फिर से हवा देंगे। उनके आरोपों और टिप्पणियों ने इंडस्ट्री में सार्वजनिक बहस को नई त्वरितता दी है, जबकि जिन पर निशाना साधा गया है उन्होंने अभी तक आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

श्रद्धा दास आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहुंची

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा दास सीरीज, सर्व-द नैना मर्डर केस में उनके रोल ने उन्हें आधिकारिक आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पर पहुंचा दिया है। एक्ट्रेस पैन इंडिया स्टार अब शाहरुख खान, सलमान खान, जान्हवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोंकणा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई हैं। आईएमडीबी रैंक में इस नाटकीय उछाल के बारे में जानकर अभिनेत्री ने आश्चर्य व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरे एक दोस्त ने मुझे यह नहीं भेजा और 15 से 4 पर आने के कारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी। सीरीज में रक्षा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्व-द नैना मर्डर केस सीरीज में मेरा रक्षा का किरदार मुझे दर्शकों से इतना प्यार दिलाएगा!



कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केन्द्र उपरवाह का किया आकस्मिक निरीक्षण



राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम उपरवाह के आंगनवाड़ी केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर यादव ने आंगनवाड़ी केन्द्र में 22 बच्चों की जगह कम बच्चे उपस्थित पाए जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए आंबनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नन्हे बच्चों से आंगनवाड़ी केन्द्र में दिए जाने वाले गरम भोजन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता में विशेष ध्यान देने के लिए कहा। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केन्द्र के रसोई रूम एवं स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्र में साफ-सफाई रखने के लिए कहा। कलेक्टर यादव ने आंगनवाड़ी केन्द्र में पहुंचे महिलाओं से चर्चा कर आंगनवाड़ी केन्द्र से मिलने वाला रेडी-टू-ईट एवं गरम भोजन की जानकारी ली।

भीतर सरलता आएणी तभी हम परमात्मा को देख पाएगे

राजनांदगांव

श्री विनय कुशल मुनि के सुशिष्य एवं 171 दिन तक उपवास का रिकॉर्ड बनाने वाले जैन मुनि वीरभद्र (विराग) जी ने आज यहां कहा कि आराधना का रस ही आत्मज्ञान का कारण बनता है। हमें तत्वों को जानने में जिज्ञासा होनी चाहिए। तत्वों को जानने की जिज्ञासा ही हमें आगे बढ़ाएगी। जैन मुनि वीरभद्र (विराग) जी ने आज जैन बगोचे के उपाश्रय भवन में अपने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान कहा कि नींद आती है तो आंख अपने आप बंद हो जाती है। इसी तरह जिस दिन जिज्ञासा होगी तो ज्ञान अपने आप आ जाएगा और ज्ञान आया तो आचरण अपने आप आ जाएगा। उन्होंने कहा कि नींद दो कारणों से आती है या तो व्यक्ति ध्यान में हो या फिर बहुत ज्यादा थकान में हो। अंदर स्वत्व होना चाहिए। मोक्ष मार्ग में आगे बढ़ने के लिए सबसे पहले सरलता चाहिए। जब तक सरलता नहीं होगी तब तक हम आगे नहीं बढ़ पाएंगे। मुनि श्री वीरभद्र (विराग) जी ने कहा कि एक बार हमने किसी के सामने कोई छवि बना ली तो फिर उसे हटाना मुश्किल होता है। कांच के आरपार दिखाता है किंतु जब उसमें पारा की परत चढ़ जाती है तो कांच पारदर्शी नहीं रह जाता। इसी तरह हमारे भीतर भी कई परत चढ़ गई है जिसे हटाना जरूरी है। भीतर सरलता आएगी तभी हम परमात्मा को देख पाएंगे। हम किसी की तारीफकरते हैं तो बाहर से ही करते हैं, हृदय से तारीफकरें तो कोई बात है। हमारे मन के साथ-साथ बाह्य आचरण में भी परिव्रता जरूरी है। हमारे विचारों से बाह्य आवरण पर भी फर्क पड़ता है, इसलिए सुपल चाहिए तो भीतर के विचार सही रखें। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

सिंधी समाज ने अपने इष्ट देव पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले अमित बघेल के खिलाफकार्रवाई की मांग



चारामा

नगर चारामा के सिंधी समाज एवं सिंधु युवा संघटन व्दया गुरुवार को थाने पहुंचकर अपने इष्टदेव पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले अमित बघेल के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग को लेकर थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। सिंधी समाज व्दारा सौंपे गये ज्ञापन में बताया गया है कि जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल द्वारा विगत दिनों एक मीडिया बयान में सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान झुलेलाल के विरुद्ध आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए सिंधी पाकिस्तानी शब्दों का उपयोग किया गया। जबकि सिंधी समाज अविभाजित भारत का एक अंग सिंध प्रांत में निवासरत था। विभाजन की सर्वाधिक पीड़ा हमारे पूर्वजों ने झेली है, आज हमारा समाज भाषा के नाम पर या किसी भी प्रकार की मांग नहीं करता बल्कि हमारा समाज सर्वधर्म सदभावना की भावना रखते हुए सभी समुदायों का सम्मान करते हुए विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से मानवता के नाते सर्व समाज की सेवा हेतु तन मन धन से जुटा रहकर अपना जीवन यापन शांतिपूर्वक ढंग से निर्वहन करते आ रहा है। अमित बघेल जैसे मानसिक रूप से विश्लिष व्यक्ति द्वारा हमारे समाज एवं हमारे इष्टदेव के अलावा अग्रवाल समाज के इष्टदेव अग्रसेन महाराज के प्रति अपमानजनक गैर मर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया है, जिससे न केवल सिंधी समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

डड़सेना कलार समाज ने मनाया संभाग स्तरीय सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती

फरसगांव

भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती के अवसर पर आज डडसेना कलार समाज के द्वारा फरसगांव में भव्य संभाग स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया था। जिसमे बतौर मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल शामिल हुए। इस दौरान कलार समाज ने बस्तर के पारंपरिक मांदरी नृत्य के साथ स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत किया।

जहां सर्वप्रथम मंत्री जायसवाल ने कलार समाज के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। तत्पश्चात कार्यक्रम स्थल पहुंच कर समाज के लोगों से मुखातिब होकर समाज हित के लिए कई घोषणाएं भी की। इस दौरान केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, नपंच अध्यक्ष प्रशांत



पात्र, समाज के अध्यक्ष पुरपोत्तम गजेंद्र समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाज के

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से संबंधित शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण के लिए नवीन टोल फ्री हेल्प लाईन नंबर 1515 जारी

राजनांदगांव

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के नवीन पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा नवीन पात्र हितग्राहियों एवं आवेदकों से प्राप्त शिकायतों के सुगम निवारण के लिए नवीन टोल फ्री हेल्प लाईन नंबर 1515 जारी किया गया है। हितग्राही नवीन टोल फ्री हेल्प लाईन नम्बर के माध्यम से अपनी शिकायतों व समस्याओं का समाधान आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। नवीन टोल फ्री हेल्प लाईन नम्बर की सभी सुविधाएं पूर्व में जारी हेल्प लाईन नम्बर के अनुसार ही होगी। नवीन हेल्प लाईन नम्बर 1515 का व्यापक प्रचार-प्रचार किया जा रहा है, ताकि शिकायतों का प्रभावी निराकरण कर अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दियाया जा सके। इससे पूर्व प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए टोल फ्री नम्बर 14408 जारी किया गया था।



उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना केन्द्र एक महत्वकांक्षी योजना है। जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने

वाली माताओं के स्वास्थ्य में सुधार एवं मजदूरी के क्षति के एवज में नकद राशि के रूप में आंशिक क्षतिपूर्ति प्रदान करना है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से जिले

का पात्र गर्भवती एवं शिशुवती महिलाएं, लाभांवि्त हो रही है। योजना के तहत पात्र महिला को पहले बच्चें के जन्म पर 2 किस्तों में, गर्भावस्था के पंजीयन पर एवं 6 महिने के भीतर एक बार प्रसव पूर्व जांच कराये जाने पर पहली किस्त के रूप में 3000 रूपए एवं दूसरी किस्त के रूप में 2000 रूपए बच्चें के जन्म के पंजीकरण तथा बीसीजी, पोलियो, डीटीपी एवं हिपेटाइटिस बी या इसके समानांतर प्रथम चक्र का टीका लगाये जाने के बाद प्रदान की जाती है। वही दूसरी संतान बालिका होने पर एकमुश्त 6000 रूपए की राशि प्रदान की जाती है। योजना का लाभ लेने महिला का बैंक खाता आधार सिडिंग होना आवश्यक है। राशि का भुगतान डीबीटी मोड के माध्यम से लाभार्थी के खाते में किया जाता है। हितग्राही को आंगनवाड़ी केन्द्र में पंजीकरण कराना आवश्यक है। फर्म के साथ स्वयं, पति या परिवार के सदस्य का मोबाईल नंबर, महिला के बैंक खाते का विवरण, जच्चा-बच्चा कार्ड, आधार कार्ड का विवरण जमा करना होता है।

राजेश गुप्ता चंपू हरनौथ विधानसभा चुनाव के पर्वक्षक बने चंपू ने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज से सौजन्य मुलाकात कर लिया आशीर्वाद, राजेश को बैज ने कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनाकर दी शुभकामनाएं...

राजनांदगांव

अखिल भारतीय कांग्रेस राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग द्वारा संस्कारधानी राजनांदगांव इंदिरा नगर झुलेलाल वार्ड नं.41के पूर्व पार्षद मेयर इन कॉसिल के विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग के पूर्व चेयरमेन एवं एआईसीसी एससी/एसटी विभाग द्वारा नियुक्त बिंद्रा नवागढ़ – डोंगरगढ़ प्रभारी रहे राजेश गुप्ता चंपू को एआईसीसी एसटी विभाग प्रमुख ने बिहार विधानसभा चुनाव केलिए हरनोथ विधानसभा चुनाव क्षेत्र 177 के लिए आब्जर्वर नियुक्त किया है।

जिसका विधिवत आदेश भी जारी कर दिया गया है।पर्वक्षक बनने के बाद आज अपने प्रभार क्षेत्र हरनोथ बिहार रवाना होने के पूर्व रायपुर राजीव भवन स्थित



कांग्रेस मुख्यालय में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष माननीय श्री दीपक बैज जी से सौजन्य भेंटकर,उन्हें दीपावली पर्व व छठ पर्व की बधाई दी और राजनीतिक चर्चा की।इस दौरान दोनों नेताओं ने एक -दुसरे को कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।पीसीसी अध्यक्ष माननीय श्री दीपक बैज जी ने बिहार चुनाव में नई जिम्मेदारी मिलने पर राजेश गुप्ता चंपू को बधाई शुभकामनाएं

दी तथा हरनोथ विधानसभा कांग्रेस उम्मीदवार के बारे में भी श्री गुप्ता से चर्चा की।साथ ही संस्कारधानी जिले के विषय में भी गहन राजनैतिक चर्चा हुई।प्रदेश अध्यक्ष माननीय दीपक बैज जी ने बिहार विधानसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद फिर से एक बार मुलाकात करने के निर्देश राजेश गुप्ता को दिए।राजेश गुप्ता चंपू भी बिहार चुनाव में एआईसीसी एसटी प्रकोष्ठ के तरफ से अपनी महत्वपूर्ण दायित्व निभाने के लिए बिहार जा

रहें हैं।सनद रहे कि श्री गुप्ता इसके पूर्व एआईसीसी एससी एसटी विभाग द्वारा दिए गए दायित्व को पूरी ईमानदारी पारदर्शिता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ पर्वक्षक के बतौर निभा चुकें हैं और उनके अथक प्रयासों से ही बिंद्रा नवागढ़ एवं डोंगरगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत हासिल करने में सफरता प्राप्त हुआ था।बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में हरनोथ विधानसभा चुनाव आब्जर्वर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने के पर राजेश गुप्ता चंपू ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है और भरोसा दिलाया है कि वे कांग्रेस पार्टी को निराश नहीं करेंगे वे एसटी विभाग के प्रमुख माननीय राजेन्द्र पाल गौतम जी के अग्रुवाई में कांग्रेस पार्टी अन्धर्थी के पक्ष में तन – मन लगाकर उन्हें विजयी बनाने के लिए जी जान लगा देंगे।

मोर मकान मोर आस योजनान्तर्गत आज आवास आबंटन

राजनांदगांव

प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान मोर आस इसके अंतर्गत मात्र किफयती दरों में आवास के लागत मूल्य पर वर्षों से किरायेदारों के रूप में निवासरत परिवारों का अब सपना साकार हो रहा है, उन्हें स्वयं का अपना पक्का आवास योजनान्तर्गत मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत नगर निगम सीमाक्षेत्र में सुन्दर सुविधायुक्त 1340 बहु मंजिला आवास लखौली, पेण्डी,मोहारा, रेवाड़ीह आदि स्थानों में पूर्ण रूप से निर्मित किया है, एवं 590 आवास विभिन्न स्तरों पर निर्माणाधीन है। उक्त आवासों को मोर मकान मोर आस योजना के तहत शासन द्वारा निर्धारित किए गए दरों पर नियमानुसार आर्बटित किया जा रहा है। आवास आर्बटित करने नगर निगम द्वारा प्रक्रिया की

जा रही है। पूर्व में 217 पात्र आवेदको को आवास का आर्बंटन किया गया। परियोजना अनुरूप राशि जमा करने पर आवेदकों को लॉटरी में सम्मिलित कर दिनांक 31 अक्टूबर 2025 दिन शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे निगम सभागृह में लॉटरी के माध्यम से आवास आर्बंटित किये जायेंगे।

आवास आर्बंटन के संबंध में नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विष्णुकर्मा ने बताया कि मोर मकान मोर आस योजनान्तर्गत वर्षों से किराये में निवासरत्त परिवारो को आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसके लिए नगर निगम द्वारा आवेदन आमंत्रित किया गया हैं। दावा आपत्ति उपरांत पूर्व की सूची के 822 पात्र आवेदक में से परियोजना अनुरूप राशि जमा करने के उपरांत लॉटरी के माध्यम से 31 अक्टूबर को आवास का आर्बंटन किया जायेगा।

पात्र किसानों को धान विक्रय में नहीं होनी चाहिए किसी प्रकार की परेशानी : कलेक्टर

कोरवा। कलेक्टर अजीत वंसत की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाक्षक में खरीफविपणन वर्ष 2025–26 अंतर्गत धान खरीदी की प्रारंभिक तैयारियों के सम्बंध में बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उन्होंने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के सफ़्त क्रियान्वयन हेतु सम्बंधित सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि चालू खरीफवर्ष में 15 नवम्बर 2025 से धान खरीदी कार्य प्रारम्भ होगा। जिले के 41 सहकारी समितियों के 65 धान उपार्जन केन्द्रों में माध्यम से किसानों से धान उपार्जन किया जाएगा। इस हेतु सभी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा सहित चेकलिस्ट में निर्धारित आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।उन्होंने एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों के पंजीयन की जानकारी लेते हुए सभी पात्र किसानों का पोर्टल में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने किसान पंजीयन में अधिकारियों को सर्वेदनशीलता से काम करने एवं शासन स्तर से निराकृत होने वाली समस्याओं के बारे में राज्य शासन को सूचित करने निर्देश दिए। कलेक्टर ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि केंद्रों में जिले के पंजीकृत किसानो से वास्तविक धान की खरीदी करें एवं अवैध धान के विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया सुनिश्चित करें। पात्र किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी ना हो, सभी अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें।

निहारिका शर्मा का शासकीय नर्सिंग में प्रवेश हेतु चयनित होने पर, सभापति प्रणव शर्मा ने दी बधाई

ग्राम घुघुवा की होनहार छात्रा बेटी निहारिका शर्मा को शासकीय नर्सिंग महारानी हॉस्पिटल जगदलपुर में नर्सिंग प्रवेश हेतु चयनित होने पर सभापति प्रणव शर्मा ने उज्ज्वल भविष्य की कामनाओ सहित हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं, घुघुवा ग्राम की बेटी के नर्सिंग में चयन होने पर सरपंच श्रीमती शैलेंद्री साहू, समस्त ग्रामवासी एवं पारिवारिक जनों ने हर्ष व्यक्त किया है। छात्रा निहारिका शर्मा घुघुवा निवासी रतन शर्मा की पुत्री, डॉक्टर नीता शर्मा एवं समाजसेवी प्रशांत शर्मा की भतीजी है।



निहारिका शर्मा

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर

रन फॅर यूनिटी आज

दुर्ग

अखंड भारत के स्वप्न दृष्टा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वी जयंती के अवसर पर दुर्ग के पटेल चौक में स्थित सरदार वल्लभभाई प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात रन फॅर यूनिटी पैदल मार्च का कार्यक्रम आयोजित किया गया है छ अयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक,उपस्थित रहेंगे। आयोजित कार्यक्रम के बारे में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक जानकारी देते हुए बताया कि पटेल चौक में स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के आसपास साफ – सफाई के पश्चात माल्यार्पण कर पटेल चौक से रन फॅर यूनिटी (पैदल मार्च) कार्यक्रम प्रारंभ होगा। हिंदी भवन सामने से होते हुए, गौरव पथ, से जेल तिराहा के पास समापन होगा छ पश्चात आमसभा का आयोजन किया गया है आयोजित रन फॅर यूनिटी में आम जनमानस, छात्र-छात्राएं, विभिन्न समाज के प्रतिनिधि ,जेंबर ऑफ कॉर्म्स, दुर्ग जिले के जनप्रतिनिधि गण भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

एग्रीस्टेक पोर्टल पर 31 अक्टूबर तक होगा पंजीयन, असुविधा से बचने शीघ्र पंजीयन कराना अनिवार्य

दुर्ग

किसानों के एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन हेतु 31 अक्टूबर तक अंतिम तिथि है। इस वर्ष धान बेचने के लिए किसानों को 31 अक्टूबर 2025 तक एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराना अनिवार्य है। जिसके लिए विगत कई महीनों से समितियों में च्वाईस सेंटर के द्वारा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन का कार्य चल रहा है। जिला दुर्ग के अंतर्गत नवीन पंजीयन हेतु 1618 किसान शेष है तथा 3009 किसान ऐसे है जिनकी व्यक्तिगत जानकारी अप्रप्त है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार संस्था की भूमि, सह-खातेदार, शासकीय पट्टेदार, नाबालिक खातेदार से संबंधित समस्याओं के कारण जिन किसानों का पंजीयन लंबित था, उनका एग्रीस्टेक पोर्टल में निराकरण करा लिया गया है, वे किसान अब समिति / च्वाईस सेंटर से अपना पंजीयन करा सकते है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर किसान अपने नजदीकी समिति से संपर्क कर सकते है। किसानों से अपील की गई है कि जिन किसानों ने एग्रीस्टेक पोर्टल पर अपना पंजीयन नहीं कराया है वे शीघ्र अपने नजदीकी सेवा सहकारी समिति या च्वाईस सेंटर में उपस्थित होकर धान पंजीयन का कार्य पूर्ण कराएं ताकि समर्थन मूल्य के अंतर्गत अपना धान समितियों में बेचने में असुविधा ना हो।

विकास कार्य हेतु 14.98 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए जनपद पंचायत दुर्ग तथा नगर पंचायत पाटन में विकास कार्यों के लिए 14.98 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। सांसद श्री विजय बघेल द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रमशः क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दुर्ग जिला दुर्ग तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत पाटन जिला दुर्ग द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत चंद्रखुरी केनाल पारा दुर्ग कॉमन वर्क शेड, कक्टर्ड सिटिंग एरिया तथा डेम शेड निर्माण हेतु 7 लाख रूपए एवं नगर पंचायत पाटन अंतर्गत हँडिरा नगर वार्ड 02 बटेना रोड के पास सामुदायिक केन्द्र, कम्प्यूट्री हॉल भवन निर्माण में 07 लाख 98 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बिना हेलमेट पेट्रोल वितरण पर कार्यवाही, दो पेट्रोल पंपों की सफ्फाई स्थगित

दुर्ग। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार ‘नो हेलमेट, नो पेट्रोल’ अभियान के तहत आज खाद्य विभाग की जांच टीम द्वारा रिसाली क्षेत्र स्थित महामाया फ्यूलस तथा रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड, पुलगांव नाका पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों पंपों पर बिना हेलमेट लगाए दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल प्रदान किया जा रहा था। इस पर जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोनों पंपों में आगामी आदेश तक पेट्रोल वितरण स्थगित कर दिया गया है।

वैशाली नगर विधानसभा में विकास कार्यों हेतु 23.99 लाख रुपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए वैशाली नगर विधानसभा के 08 निर्माण कार्यों के लिए 23 लाख 99 हजार 973 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र विधायक रिकेश सेन द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा की जाएगी।

सिंधी समाज पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में उबाल

पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के नेतृत्व में सर्वदलीय बैठक - सिविल लाइन थाने का घेराव, अमित बघेल की गिरफ्तारी की मांग

रायपुर

पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के नेतृत्व में सर्वदलीय सिंधी समाज की एक आपात बैठक आयोजित की गई, जिसमें छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के सदस्य अमित बघेल द्वारा सिंधी एवं अग्रवाल समाज के प्रति की गई अभद्र टिप्पणी की तीव्र निंदा की गई। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने सिविल लाइन थाना पहुंचकर घेराव किया और अमित बघेल की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

बताया गया कि अमित बघेल पूर्व में भी समाज के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर चुका है, जिससे समाज में गहरी नाराजगी व्याप्त है। पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष महेश



दरयानी ने बैठक में कहा कि समाज के सम्मान के लिए सभी वर्गों को एकजुट होना होगा। किसी भी प्रकार की असंवैधानिक टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं समाज के वरिष्ठ नेता अमर

चंदनानी ने जानकारी दी कि पुलिस प्रशासन से चर्चा की गई है, और जल्द ही अमित बघेल की गिरफ्तारी सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर भरत बजाज, बलराम आहूजा, ललित जयसिंग, अमर



चंदनानी, सागर कुकरेजा, सागर दूल्हानी, विकास रूपरेला, अनिल लाहौरी, राजा जेठानी, जय केशवानी, गिरीश लहेजा, सुरेश सुखीजा, विक्रो वाधवानी, श्याम चावला, गौरव सहित बड़ी संख्या में सिंधी समाज के सदस्य

एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज के सभी प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि समाज के अपमान पर अब कोई भी चुप नहीं बैठेगा और प्रशासन से शीघ्र कठोर कार्रवाई की अपेक्षा की।

जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 02 से 04 नवंबर तक पुराना गंज मंडी परिसर में

विभागीय स्टॉल होंगे मुख्य आकर्षण, रंगारंग कार्यक्रमों की होगी प्रस्तुति

दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के अवसर पर प्रदेश के अन्य जिलों के साथ ही दुर्ग जिला मुख्यालय में भी 02 से 04 नवंबर तक जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। राज्योत्सव अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने आमंत्रण पत्र छपाई एवं वितरण, मंच, स्टॉल, बेरिकेटिंग, सोफ-कुर्सी, माइक, लाइटिंग, सांस्कृतिक दलों एवं कलाकारों के चयन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यक्रम स्थल पर वाहन पार्किंग एवं निर्गम स्थल पर यातायात व्यवस्था, अतिथियों हेतु साल-श्रीफल एवं मोमेंटो की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर फर्स्ट एड किट

एवं एम्बुलेंस व्यवस्था, अतिथियों एवं कलाकारों के सत्कार, पानी टैंकर एवं पेयजल की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर अबाध विद्युत/जनरेटर की व्यवस्था आदि की समीक्षा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि विभाग के अंतर्गत 25 वर्षों की विकास यात्रा की थीम पर योजनाओं तथा उपलब्धियों की पोस्टर-बैनर अथवा लाईव प्रदर्शन व प्रदर्शनी स्टॉल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विभागीय स्टॉल 02 नवंबर को दोपहर 12 बजे तक तैयार कर लिए जाएं। प्रदर्शनी में राज्य सरकार की योजना जिससे लोग लाभान्वित हो रहे हैं, प्रदर्शित किए जाएं। वहीं हितग्राही मूलक योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में यहां की संस्कृति की झलक हो। कार्यक्रम के दौरान परिसर स्थल की सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रत्येक विभागीय

स्टॉल में डस्टबिन रखना सुनिश्चित किया जाए। जिला स्तरीय राज्योत्सव के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति होगी। 02 नवंबर 2025 को सोनाली सेन द्वारा सरगम-ए-म्यूजिकल, आद्या पाण्डेय द्वारा कल्थक, कमलेश कुमार दिल्लीवार द्वारा भरतनाट्यम, स्कूली बच्चों का नृत्य कार्यक्रम, माधवी दवांगन द्वारा भरतनाट्यम, और लोकधारा की गायन एवं नृत्य की प्रस्तुति होगी। 03 नवंबर 2025 को स्वर्नांजलि संगीत द्वारा हिन्दी का बॉलीवुड म्यूजिकल, विनय गायकवाड़ द्वारा ओड़िसी नृत्य, स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, सृष्टि विश्वास द्वारा कल्थक, प्रतिमा बारले द्वारा पंडबानी गायन, माटी की महिमा सांस्कृतिक दल द्वारा गायन एवं नृत्य और लोककला मंच द्वारा गायन एवं नृत्य की प्रस्तुति होगी। इसी प्रकार 04 नवंबर 2025 को लोक माया की गायन एवं नृत्य प्रस्तुति, स्कूली बच्चों का कार्यक्रम, आद्या सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक

अवैध एवं अस्थायी फल टेला संचालको पर निगम ने की बेदखली कार्यवाही

भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई जोन 03 मंदर टेरेसा नगर अंतर्गत पावर हाउस चौक के किनारे सर्विस रोड पर आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार बेदखली कार्यवाही की गई।



निगम आयुक्त ने फल टेला, अस्थायी दुकान संचालित करने एवं आवागमन बाधित करने वालो के खिलाफ बेदखली कार्यवाही करने हेतु सभी जोन आयुक्तों को निर्देशित किये हैं। साथ ही यातायात एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम के साथ कार्यवाही करने कहा गया है। निर्देश के परिपालन में यातायात प्रभारी पी. डी. चंद्रा, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, सहायक प्रभारी हरिओम गुप्ता एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा लगभग 46 अवैध फल टेले एवं अस्थायी दुकानों पर बेदखली कार्यवाही की गई। सड़क बाधा

शुक्ल के रूप में कुल 5500 रुपये अर्थदण्ड वसूला गया। साथ ही बांस, बल्ली एवं सामग्रीयों की जप्त की गई है। यह कार्यवाही समझाइस के लिए है, आगामी समय में बेदखली के साथ बड़ी चालानी कार्यवाही की जावेगी।

नगर निगम भिलाई की ओर से अपील है कि आवागमन एवं ट्रैफिक व्यवस्था को ध्यान देते हुए रोड किनारे दुकानों का संचालन न करें, अन्यथा दुर्घटना की संपूर्ण जवाबदेही अवैध दुकान संचालकों की होगी। कार्यवाही के दौरान पुलिस विभाग के दल एवं निगम के तोड़फोड़ दस्ता टीम से गणित बहाल, कन्हैया राय, गौकरण कुर्रे, खेमलाल आदि उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री साठ द्वारा नगर पालिका कुम्हारी को 16 करोड़ लागत के विकास कार्यों की सौगातें

कुम्हारी

छत्तीसगढ़ प्रदेश के लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, खेलकुद एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरूण साव के मुख्य अतिथि में आज नगर पालिका कुम्हारी में 16 करोड़ 30 लाख 51 हजार की लागत के निर्माण कार्य का लोकार्पण एवं भूमिपूजन संपन्न हुआ। जिसमें वार्ड क्रमांक 15 में 30 लाख रूपए के लागत से अटल परिसर निर्माण कार्य, 5 करोड़ 32 लाख 68 हजार रूपए के लागत से जंजगिरी तालाब का सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्य, 16 लाख 92 हजार के लागत से वार्ड क्रमांक 13 जी.ई.रोड कुम्हारी टोल प्लाजा के पास आकांक्षीय शौचालय निर्माण कार्य, 03 करोड़ 01 लाख 21 हजार रूपए के लागत से नगर पालिका कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड एवं बी.टी. रोड निर्माण कार्य, 01 करोड़ 67



लाख 72 हजार रूपए के लागत से नगर पालिका कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों में आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, 01 करोड़ 16 लाख 14 हजार रूपए के लागत से नगर पालिका कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत फेवर ब्लॉक, चबूतरा, शेड सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण तथा 04 करोड़ 65 लाख 84 हजार रूपए के लागत से स्व. बिन्देश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय भवन का भूमिपूजन शामिल है। उन्होंने स्व. बिन्देश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय के माध्यम से हम धरती माता से क्षमा याचना करते हैं। निर्माण

की अध्यक्षता सांसद श्री विजय बघेल ने किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि आज नगर पालिका कुम्हारी के अंतर्गत 11 करोड़ 64 लाख लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया है। साथ ही 04 करोड़ 65 लाख लागत के स्व. बिन्देश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय भवन का भूमिपूजन भी संपन्न हुआ है। उन्होंने भूमिपूजन का महत्व बताते हुए कहा कि भूमिपूजन के माध्यम से हम धरती माता से क्षमा याचना करते हैं। निर्माण

मन की बात कार्यक्रम में दुर्ग विधानसभा को प्रदेश में प्रथम स्थान केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

भिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 127वें एपिसोड को लेकर दुर्ग विधानसभा क्षेत्र ने पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

इस उपलब्धि पर शिक्षा, मांगोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने भारतीय जनता पार्टी दुर्ग के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मन की

बात कार्यक्रम को लेकर दुर्ग शहर के भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह रहता है। प्रत्येक माह समाज के विभिन्न वर्गों के साथ बैठकर इस संवाद को सुनने की परंपरा दुर्ग में बनी है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव स्वयं जनसंपर्क एवं सार्वजनिक आयोजनों के माध्यम से आमजन को मन की बात सुनने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल विचारों का आदान-प्रदान है, बल्कि यह देश के युवाओं, वैज्ञानिकों, किसानों, महिलाओं और जनसाधारण के नवाचारों और सफल प्रयासों को उजागर करने का एक प्रेरणादायी माध्यम है।